भारतीय सचना प्रौद्योगिकी संस्थान
श्री सिटी, चित्तूर

(संसद के अधनियम के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)

वार्षिक प्रतिवेदन

2021-22

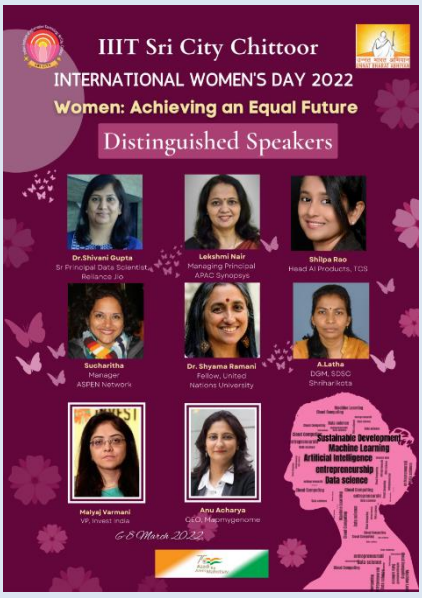

आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर
वार्षिक प्रतिवेदन 2021–22
(1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक)

विषय–वस्तु

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	निदेशक की रिपोर्ट	4
2	संस्थान के रूप में आईआईआईटीएस	7
2.1	संस्थान के बारे में	7
2.2	लक्ष्य, दृष्टिकोण और उद्देश्य	7
	2.2.1 लक्ष्य	7
	2.2.2 दृष्टिकोण	7
	2.2.3 उद्देश्य	8
2.3	अभिशासन	8
	2.3.1 शासी मंडल(बीओजी)	8
	2.3.2 वित्तीय समिति	15
	2.3.3 भवन एवं कार्य समिति	16
	2.3.4 सीनेट	17
2.4	परिसर और स्थल	18
2.5	अवसंरचना	19
3	प्रवेश	25
3.1	अवर स्नातक प्रवेश नीति	26
3.2	स्नातकोत्तर प्रवेश नीति	27
3.3	पीएच.डी प्रवेश नीति	27
4	शैक्षिक कार्यक्रम	28
4.1	अवरस्नातक	28
4.2	स्नातकोत्तर	32
4.2.1	एआई और एमएल में एम.टेक	32
4.2.2	साईबर सुरक्षा में एम.टेक	34
4.3	पीएच.डी	36
4.4	शैक्षिक निष्पादन	38
5	प्लेसमेंट और इंटर्नशिप (ग्रीष्म इंटर्नशिप और सेमेस्टर की परियोजनाएं)	40
5.1	ग्रीष्म इंटर्नशिप	40
5.2	सेमेस्टर की परियोजना	41
5.3	परिसर प्लेसमेंट	41
6	छात्र विकास गतिविधियां (एसडीसी)	44
7	लोग (मानव संसाधन)	60
7.1	संकाय	60

7.2	विजिटिंग संकाय	61
7.3	कर्मचारी	62
7.4	परामर्शदाता	63
8	शोध और विकास	63
8.1	शोध प्रकाशन	64
8.2	सम्मेलन की कार्रवाई / प्रस्तुतियां	65
8.3	जारी प्रायोजित परियोजनाएं	67
8.4	पेटेंट दायर करना	68
9	नवाचार और उद्यमिता विकास	68
10	अन्य गतिविधियां	72
11	वित का सार	76

निदेशक की रिपोर्ट

हमारी यात्रा आईआईटी हैदराबाद के साथ आईआईआईटी हैदराबाद की योग्य मेंटरशिप के साथ आरंभ हुई। हम सुनिर्मित सहयोग के माध्यम से हमारे सभी शैक्षिक और शोध कार्यक्रमों में उन संस्थानों की सर्वोत्तम पद्धतियों को अपनाना जारी रखे हुए हैं।

हमारे नए परिसर में उच्च गुणवत्तापरक अधिगम को सहायता प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम अवसंरचना मौजूद है। भवन के प्रत्येक तल में अत्याधुनिक वातानुकूलित शिक्षण कक्ष, प्रयोगशालाएं और संकाय केबिन एवं छात्र गतिविधि केंद्र को शामिल करते हुए निर्दिष्ट स्थान है। वर्तमान में हमारे छात्रावासों के दो ब्लॉक और एक बड़ी भोजनशाला सुविधा हैं। एक भोजनशाला के साथ दो और छात्रावास ब्लॉकों का निर्माण प्रगतिरत है। इसके अतिरिक्त हमनें श्री सिटी शहर में पीएच.डी. और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अपार्टमेंट किराये पर लिए हैं। हमारे उद्योग भागीदार श्री सिटी प्रा. लि. श्री सिटी शहर में 30 देशों की प्रमुख 200 एमएनसी के साथ सबसे बड़े समेकित औद्योगिक टाउनशिप तक पहुंच रखते हैं। हमारे औद्योगिक भागीदार के समर्थन से आईआईआईटी श्री सिटी इन कंपनियों के साथ हमारी सहयोगी परियोजनाओं के संचालन हेतु नियमित संपर्क में हैं जिसमें हमारे छात्रों के नियमित रूप से इन कंपनियों में दौरे किए जाते हैं और वे इंटर्नशिप की संभावनाओं का लाभ भी उठाते हैं।

हमारा इस विचारधारा में दृढ़ विश्वास है कि अच्छे संकाय छात्रों के शिक्षण में दिशा–निर्देश प्रदान कर सकते हैं और उनके केरियर को मूर्तरूप दे सकते हैं। इस प्रकार हमने हमारे संकाय सदस्यों की सावधानीपूर्वक आयोजना एवं भर्ती की है जो कि विश्व में विख्यात संस्थानों के पूर्व छात्र रहे हैं। हमारे सभी संकाय सदस्यों ने आईआईटी/आईआईएससी अथवा विश्व भर के सर्वोच्च विश्वविद्यालयों से पीएच.डी. की है। उल्लेखनीय है कि यह सभी गहन शोध एवं औद्योगिक अनुभव के साथ युवा एवं उत्साही संकाय है। ये संकाय अपने शोध में काफी सक्रिय है और महत्वपूर्ण रूप से ये अपने ज्ञान एवं अनुभव को हमारे छात्रों के लिए शैक्षिक अधिगम में परिवर्तित करने योग्य है।

हमारे बी.टेक. कार्यक्रम में ईसीई और सीएसई दोनों छात्रों के लिए समर्पित विषय और पाठ्यक्रम हैं जिन्हें नियमित रूप से उद्योग जगत से प्राप्त निरंतर फीडबैक के आधार पर अद्यतन बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2019 से हमारे पास एआई एवं मशीन लर्निंग, साइबर सिक्यूरिटी और साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कार्यक्रम हैं। इन विशेषज्ञताओं के अंतर्गत कई पाठ्यक्रम कार्यशालाओं सहित औद्योगिक विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाएं जाते हैं।

युजी–शोध का संवर्धन करने के लिए हमारा एक योग्यता आधारित बी.टेक. ऑनर्स कार्यक्रम हैं जिसमें छात्रों 2 वर्ष की अवधि के लिए किसी संकाय अथवा संकायों के समूह के अंतर्गत किसी विशिष्ट क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वे शोध प्रकाशन अथवा बौद्धिक संपदा अथवा कोई सॉफ्टवेयरॉ/हार्डवेयर प्रस्तुत करते हुए अपनी ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

बोर्ड ने पहले 5 वर्षों में संस्थान की उपलब्धियों की सराहना की और प्रो. यू.बी. देसाई (आईआईटी

हैदराबाद के निदेशक) मेंटर निदेशक के योगदान की उनकी नेतृत्व के लिए, उद्योग भागीदार–श्री निवासा राजू, अध्यक्ष, श्री सिटी फाउंडेशन की अत्याधुनिक अवसंरचना के प्रमुख विकास के लिए और निदेशक तथा संकाय तथा आईआईआईटी हैदराबाद की शैक्षिक एवं शोध गतिविधियों के लिए योगदान को दर्ज किया।

परिसर में नियुक्ति, इंटर्नशिप, प्रायोजित परियोजनाएं और उद्योग जगत की भागीदारी में हमारी उपलब्धियां इसका साक्ष्य हैं। हमारे छात्रों के पहले तीन बैच ने बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनियों में अपने कैरियर आरंभ किए हैं, प्रौद्योगिकीय स्टार्ट–अप सफलतापूर्वक आरंभ किए हैं और कोर ईसीई कंपनियों में भर्तियां प्राप्त की हैं। माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, टीसीएस, आईबीएम, डिलॉयट, स्विगी, ग्रोफर कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं जहां हमारे छात्रों को वर्तमान में नौकरियां प्राप्त हुई हैं। हमारे परिसर में दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है जो हमारे छात्रों की गुणवत्ता और संस्थान में प्राप्त शिक्षा और अभिमुखीकरण को दर्शाता है। हमारे छात्रों की उपलब्धता में वृद्धि देश (तथा विदेश) में गुणवत्तापरक नौकरियों से भी यह प्रदर्शित होता है। हमने हमारे पाठ्यक्रम में छात्रों के लिए ग्रीष्म एवं सेमेस्टर इंटर्नशिप (प्री–फाइनल वर्ष के अंत और अंतिम वर्ष के अंत के दौरान) को सुकर बनाया है।

प्रत्येक छात्र को उन चुनौतियों से अवगत कराते हुए जिनका उन्हें प्लेसमेंट में सामना करना होता है, 10 से 15 छात्रों को इम्पेक्ट कार्यक्रम के अंतर्गत किसी संकाय कार्यक्रम के साथ जोड़ा जाता है जिसमें संकाय सदस्य योजना बनाते है और अपने छात्रों के लिए लक्ष्य और उपलब्धियां निर्धारित करते हैं तथा उन्हें अवसरों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। विशेषकर, छात्र अधिक सूचना से अनभिज्ञ होते हैं जो संभावित रूप से छात्र की उसके स्वप्न को साकार करने में सहायता प्रदान कर सकती है, इम्पेक्ट कार्यक्रम छात्रों के लिए संकाय एवं प्रमुख समूह के साथ बैठकों के जरिए सूचना के अंतर को पाटने के लिए एक अवसर प्रदान करता है।

7 वर्ष के थोड़े से समय के भीतर ही संस्थान ने दो शोध केंद्र स्थापित किए हैं – स्मार्ट शहर केंद्र (सीएससी) और एमएचआरडी द्वारा आरंभ किया गया डिजाइन एवं नवाचार केंद्र (डीआईसी)। ये केंद्र विभिन्न विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जैसे कि कंप्यूटर दृष्टिकोण, आंकड़ों का विश्लेषण, आईओटी, मशीन लर्निंग, सौर ऊर्जा, स्मार्ट परिवहन इत्यादि। संस्थान में कई शोध समूह और महत्वपूर्ण रूप से उसमें सरकार की निधियन एजेंसियों जैसे कि इसरो, डीआरडीओ, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) तथा उद्योग जगत जैसे कि एनलॉग डिवाइसेस, एनविडिया, हेला ऑटोमोटिव इत्यादि दोनों के 4+ करोड़ मूल्य की कई प्रायोजित परियोजनाएं है। महत्वपूर्ण रूप से आईआईआईटी श्री सिटी जुलाई, 2016 में पूर्णतः वित्त–पोषित एमएस/पीएच.डी. कार्यक्रम पीपीपी मोड में आरंभ करने वाला पहला आईआईआईटी है। वर्तमान में संस्थान में 30+ पूर्णकालीन पीएच. डी. छात्र और शोध फैलो हैं जो विभिन्न प्रायोजित परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं।

हमने प्रौद्योगिकी स्टार्ट–अप को इंकूवेट करने और उनका वित्त–पोषण करने के लिए माइटी (टीआईडीई 2 योजना के अंतर्गत) द्वारा वित्त–पोषित ज्ञान सर्कल वेंचर, एक प्रौद्योगिकी व्यापार इंकूवेटर (टीबीआई) की स्थापना की है। हम मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा समर्थित संस्थान नवाचार प्रकोष्ठ के भाग है जो छात्रों में सृजनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

आईआईआईटी श्री सिटी का ई–प्रकोष्ठ कार्यशालाओं, लेक्चरों और परिसरों के माध्यम से उद्यमिता विचारों के प्रयासों को आगे बढ़ाने का कार्य करता है।

प्रौद्योगिकी एवं शिक्षण के अतिरिक्त हमारा विश्वास है कि दीर्घकालीन रूप से किसी व्यक्ति की सफलता का निर्णय न केवल तकनीकी कौशल से किया जाता है बल्कि उसके सामाजिक व्यवहार, सॉफ्ट कौशल और दृष्टिकोण से भी किया जाता है। आईआईआईटी श्री सिटी में तकनीकी, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को शामिल करते हुए 12 से अधिक क्लब हैं, प्रत्येक छात्र को कम से कम प्रत्येक श्रेणी में से एक, न्यूनतम तीन क्लबों का सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

हमारे सामाजिक कार्य उल्लेखनीय है। हमने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत नजदीक के पांच गांवों को अपनाया है। हमारे छात्र बालकों, शिक्षित युवाओं, महिलाओं और प्रौढ़ व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इन गांवों में विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

आईआईआईटी श्री सिटी रणनीतिगत रूप से उद्योग के मध्य परंतु फिर भी एक हरे भरे वातावरण में स्थित हैं और यह चेन्नई एवं तिरुपति से नजदीक हैं। आईआईआईटी श्री सिटी का एक रमणीय और शांत वातावरण है परंतु फिर भी यह एक मजबूत सामाजिक ढांचा प्रदान करता है। यह इस बात को सुनिश्चित करता है कि संस्थान चेन्नई में उद्योगों और स्टार्ट–अप इको–सिस्टम, तिरूपति में इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्ट–अप इको–सिस्टम के साथ भलीभांति प्रकार से जुड़ा हुआ है और साथ ही यह सहयोग हेतु अन्य सुज्ञात शैक्षिक संस्थाओं के साथ भी जुड़ा हुआ है।

मुझे विश्वास है कि हम आने वाले वर्षों में हमारे शैक्षिक कार्यक्रमों की गहराई, हमारी शोध परियोजनाओं की दृढ़ता, हमारे संकाय सदस्यों के समर्पण, हमारे व्यावसायिक कर्मचारियों के समर्पण और हमारे छात्रों की उपलब्धियों के कारण बेहतर ऊंचाइयों को हासिल करेंगे। यह सभी आईआईआईटी श्री सिटी में एक उत्साही और आशाजनक यात्रा को इंगित करता है।

आईआईआईटी श्री सिटी के समुदाय की ओर से मैं शासी मंडल के सदस्यों, शिक्षा मंत्रालय, आंध्र प्रदेश सरकार और उद्योग भागीदारों का उनका परिसर के विकास में निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

प्रो. जी. कन्नाबिरन
निदेशक

2. संस्थान के रूप में आईआईआईटीएस

2.1 संस्थान के बारे में

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर जिसे आईआईआईटी श्री सिटी के रूप में जाना जाता है, की स्थापना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी में नए ज्ञान को विकसित करने और सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए वैश्विक मानक के श्रमिक प्रदान करने और ऐसी संस्थाओं के साथ जुड़े अन्य मामलों अथवा उस प्रकार की संस्थाओं की सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में 2013 में की गई थी। इसके भागीदार भारत सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार और श्री सिटी फाउंडेशन है। इस योजना के अंतर्गत संस्थान की स्थापना वर्ष 2013 में भारत सरकार (50% योगदान), आंध्र प्रदेश की सरकार (35% भागीदारी) और श्री सिटी फाउंडेशन (15%) भागीदारी के बीच भीगादारी के साथ की गई थी।

वर्ष 2011 में भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) पद्धति से 20 नए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) की स्थापना की योजना की घोषणा की थी। इस योजना में स्वायत्त, नॉट फॉर प्रोफिट, आत्म निर्भर, शोध संचालित, शैक्षिक संस्थानों की परिकल्पना की गई है जो भारत की अर्थव्यवस्था और उद्योग जगत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इन संस्थानों से चुने गुए क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त सूचना प्रौद्योगकी अनप्रयुक्त शोध एवं शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की आशा की जाती है। आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर को दिनांक 02 सितंबर, 2013 को सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत सोसाइटी रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत किया गया। तदंतर इसे 09 अगस्त, 2017 को भारत के राजपत्र द्वारा संसद के एक अधिनियम के माध्यम से इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया।

2.2 लक्ष्य, दृष्टिकोण और उद्देश्य

2.2.1 लक्ष्य

आईआईआईटी का लक्ष्य सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य संबद्ध इंजीनियरिंग विषयों में ज्ञान के सृजन एवं प्रसार में उत्कृष्टता के उच्च मानक प्राप्त करना है।

2.2.2 दृष्टिकोण

राष्ट्रीय रूप से संगत और अंतर्राष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त उद्यमिता संस्थान।

2.2.3 उद्देश्य

- सूचना प्रौद्योगिकी तथा ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों में अग्रणी संस्थानों में से एक बनना
- सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्रों में नए ज्ञान एवं नवाचार को आगे बढ़ाना ताकि राष्ट्र वैश्विक संदर्भ में सशक्त बन सकें;
- सक्षम एवं मजबूत युवा तैयार करना जो देश की ज्ञान आवश्यकताओं को पूरा करने और सूचना प्रौद्योगिकी एवं संबद्ध क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय अभिमुखीकरण के साथ नवाचार एवं उद्यमिता की भावना से युक्त हो;
- विभिन्न पदों, शैक्षिक मूल्यांकन, प्रशासन और वित्त के लिए प्रवेश, नियुक्ति के मामले में अधिकतम स्तर की पारदर्शिता का संवर्धन करना और उसे प्रदान करना।

2. अभिशासन

2.3.1 शासी मंडल (बीओजी)

श्री एम बालासुब्रमण्यम
बोर्ड निदेशक और प्रोद्योगिकी लीडर
संस्थापक और सीईओ, सट्रेटइन्फिनिटी इंक
अध्यक्ष, आईआईआईटी श्रीसिटी, चित्तूर दिनांक 26 अगस्त, 2020 से

श्री बाला का नीतियां बनाने और उन्हें प्रभावकारी बनाने में सिद्व विशेषज्ञता और नेतृत्व के साथ प्रौद्योगिकी समर्थित व्यापार परिवर्तन के माध्यम से संगठनकारी क्षमताओं के निर्माण और मूल्यों के सृजन का शानदान ट्रैक रिकार्ड है जिसका उद्देश्य बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा, सॉफ्टवेयर विकास, दूरसंचान, उच्च शिक्षा कार्यों में बहुराष्ट्र – वैश्विक क्षमता केन्द्रों का निर्माण और प्रबंधन करना है और बीएफएसआई तथा उच्च शिक्षा कार्यों के क्षेत्र में सफलतापूर्वक प्रबंधित आमेलन और अर्जन तथा वैश्विक रूप से संयुक्त उद्यमों को तैयार करना है।

उन्हें आईटी उद्योग में दो दशकों का अनुभव है और उन्होंने सिटीबैंक, पोलारिस, डन एंड ब्रैडस्ट्रीट यूएसए, ट्रांसयूनियन यूएसए सहित कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ काम किया है। वे बाला हायर वन इंडिया एनवाईएसई सूचीबद्ध वित्तीय सेवा कंपनी के संस्थापक निदेशक और ब्लैकबोर्ड इंक यूएसए के संस्थापक प्रबंध निदेशक थे, जो दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी है, और दुनिया के 90 देशों में 20000 विश्वविद्यालयों को कवर करते हुए 120 मिलियन छात्रों की सेवा करती है, भारत में आर एंड डी केंद्र का प्रबंधन करती है। एक्सपोनेंशियल टेक्नोलॉजी का उपयोग करके उत्पाद विकास के लिए जिम्मेदार बाला ने उच्च शिक्षा के छात्रों, संकाय सदस्यों और विश्व स्तर पर विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के निदेशकों के साथ घनिष्टता से बातचीत की है, छात्रों और संकाय सदस्यों के आकलन के लिए सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन प्रदान करके सफलता की स्थापना की है। वह वैश्विक संगठनों के लिए भारत में प्रौद्योगिकी और उत्पाद इंजीनियरिंग केंद्रों के निर्माण में एक सफल परिवर्तनकारी नेता हैं।

श्री बाला ने सीआईबीआईएल (भारतीय क्रेडिट ब्यूरो) और श्रीलंका, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात– दुबई और नाइजीरिया के क्रेडिट ब्यूरो के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने तमिलनाडु राज्य में कैप्टिव कंपनी के पारिस्थितिकी तंत्र (एमएनसी कंपनियों) के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

वर्तमान में बाला एक वैश्विक परामर्श फर्म स्ट्रैटिनफिनिटी के संस्थापक और सीईओ हैं जिसका मुख्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका में है और इसके कार्यालय लंदन यूके, चेन्नई भारत में हैं। बाला पोंटैक यूके में जनरल पार्टनर और चीफ डिजिटल ऑफिसर भी हैं। बाला चेंज पॉन्ड टेक्नोलॉजीज, एडसिक्स ब्रेन लैब, थिंकइनफिनिटी इंक, यूबिकिटी इंक सहित कुछ आईटी/आईटीईएस/स्टार्टअप कंपनियों के बोर्ड सलाहकार हैं।

उपरोक्त उपलब्धियों के अलावा, बाला ने तमिलनाडु सरकार की प्रौद्योगिकी पहल और तमिलनाडु राज्य में टेक कैप्टिव ग्लोबल कंपनी इको सिस्टम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री बाला ने तमिलनाडु पुलिस विभाग की विभिन्न प्रौद्योगिकी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री बाला ने निम्नलिखित को शामिल करते हुए मानद और सलाहकार भूमिकाओं पर कई असाइनमेंट के संबंध में शिक्षा मंत्रालय और एमईआईटीवाई, भारत सरकार के साथ मिलकर काम किया हैः

- 2017–2019 के बीच नासकॉम जीसीसी परिषद के अध्यक्ष और जीसीसी राष्ट्रीय परिषद के सदस्य।
- बाला ने 2015–2017 के बीच टीएन और केरल के लिए नासकॉम जीसीसी परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- सदस्य सीवाईसीओआरडी – गृह मंत्रालय, भारत सरकार।
- सदस्य अध्ययन बोर्ड, रामानुजम गणित संस्थान, मद्रास विश्वविद्यालय।
- बोर्ड निदेशक, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (सीआईईडीआई), एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा।
- बाला मदुरै कामराजर विश्वविद्यालय में सीनेट सदस्य थे, जिन्हें तमिलनाडु के महामहिम राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया गया था।
- राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड, एमएसएमई और स्टार्टअप फोरम – भारत।
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा और एमसीएचएएम की मानव संसाधन समिति के सदस्य (2015–2020)।
- समिति सदस्य, मानव संसाधन, शिक्षा और कौशल विकास, सीआईआई एंड टीएन क्षेत्र (2016–2019)
- जून 2021 में आयोजित एनईटीएफ प्रारंभिक चर्चा मंच का हिस्सा।

मद्रास विश्वविद्यालय से प्रबंधन में स्नातक और स्नातकोत्तर के अलावा, वे आईआईएम–कोलकाता के पूर्व छात्र हैं, टेक्सास विश्वविद्यालय से एआई/एमएल में पीजी धारी और उन्होंने लंदन के इंपीरियल कॉलेज से ग्लोबल मर्जर एंड में कार्यकारी कार्यक्रम भी किया है। उनकी रुचि के क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉक चेन और डेटा एनालिटिक्स सहित सभी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां शामिल हैं और उनकी परिणाम आधारित शिक्षा के लिए मार्ग प्रशस्त करने वाले उद्योग–अकादमिक सहयोग के निर्माण के

प्रति गहरी रूची हैं।

रुचि के क्षेत्रः एआई/एमएल, साइबर सुरक्षा, डिजिटल ट्विन, क्वांटम कंप्यूटिंग, डेटा गवर्नेंस, डिजिटल गोपनीयता, एक्सए (सेवा के रूप में सब कुछ) और आईओबी (इंटरनेट ऑफ बिहेवियर)।हैं।

फोकस के क्षेत्रः स्टार्टअप– उद्योग – अकादमिक सहयोग, भारत में नए कैप्टिव सेंटर (आर एंड डी जीसीसी), भारत में उच्च शिक्षा में ओबीई, उद्योग की तैयारी के लिए छात्रों के बीच अपस्किलिंग और रीस्किलिंग, भारत दुनिया का डिजिटल समाज बनने के लिए।

सदस्यगणः

श्री राकेश रंजन
अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)
उच्चतर शिक्षा विभाग, एमएचआरडी
नई दिल्ली

वह आईआईटी कानपुर से यांत्रिक इंजीनियरिंग स्नातक है। उन्होंने 1992 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) ज्वाइन की। पिछले 25 वर्षों के दौरान उन्होंने 14 से अधिक वर्षों में भारत के कुछ अत्यधिक कठिन क्षेत्रों (त्रिपुरा, झारखंड और मणिपुर राज्यों) तथा भारत सरकार के 05 (पांच) मंत्रालयों/विभागों – रक्षा, विदेश कार्य, संस्कृति, उच्चतर शिक्षा और फार्मासियुटिकल में कार्य किया है।

श्री जे. श्यामला राव,
आईएएस सचिव, सरकार
उच्च शिक्षा विभाग, आंध्र
प्रदेश सरकार

श्री जे. श्यामला राव आंध्र प्रदेश सरकार, उच्च शिक्षा विभाग/ प्रधान सचिव (एचई) आंध्र प्रदेश सरकार के सचिव हैं। वह 1997 बैच कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं।

श्री श्रीनिवास सी. राजू
अध्यक्ष, श्रीसिटी फाउंडेशन

श्री चिंतालापति श्रीनिवास राजू श्री सिटी के अध्यक्ष है जो कि दक्षिण भारत में सबसे बड़ा समेकित व्यापार शहर है।

श्री चिंतालापति श्रीनिवास राजू जिन्हें वृहत रूप से श्रीनि राजू के रूप में जाना जाता है, एक भारतीय

उद्यमी और निजी इक्विटी निवेशक हैं। श्रीनि राजू दून एंड ब्राड स्ट्रीट सत्यम सॉफ्टवेयर, 1994 में स्थापित दून एंड ब्राड स्ट्रीट की इनहाउस टेक्नोलॉजी यूनिट जो दून एंड ब्राड स्ट्रीट के व्यापार के लिए बड़े स्तर की आईटी परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करती है, के संस्थापक सीईओ और एमडी है। डीबीएसएस को बाद में कॉग्नीजेंट का नाम दिया गया।

तत्पश्चात् श्रीनिवास पीपल कैपिटल (आईलेब्स वेंचर्स कैपिटल फंड), हैदराबाद तथा चेन्नई में स्थित एक निजी इक्विटी (पीई) फर्म के सह–संस्थापक तथा अध्यक्ष बने। अगली पीढ़ी के उद्यमियों को वित्त–पोषण तथा परामर्श के अतिरिक्त वे उच्च शैक्षिक शिक्षण संस्थाओं के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते है।

श्रीनिवास उठाह स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए से सिविल तथा पर्यावरण इंजीनियरिंग में एमएस तथा आरईसी (एनआईटी), कुरुक्षेत्र से ऑनर्स के साथ सिविल इंजीनियरिंग में बीएस है।

श्रीनिवास शिक्षा और कौशल विकास के प्रति अति समर्पित है। वे अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), हैदराबाद की शासी परिषद के संस्थापक सदस्य और सदस्य; भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी के भागीदार (डोनर) तथा शासी मंडल के सदस्य; इंडियन स्कूल ऑफ बिजिनेस (आईएसबी) के एक्जीक्यूटिव बोर्ड सदस्य तथा श्रीनि राजू सेंटर फॉर नेटवर्क्ड इकनॉमी (एसआरआईटीएनई) के बेनीफैक्टर; केआरईए विश्वविद्यालय के सह–प्रायोजक (डोनर) और बोर्ड सदस्य; तथा टी–हब, हैदराबाद के संस्थापक सदस्य एवं बोर्ड सदस्य हैं।

श्री रवींद्र सन्नारेड्डी
प्रबंध निदेशक, श्री सिटी (प्रा.) लिमिटेड

श्री रवींद्र सन्नारेड्डी श्री सिटी के प्रबंध निदेशक है जो कि दक्षिण भारत में सबसे बड़ा समेकित व्यापार शहर है। वे लगभग 2 दशकों से हाईटेक उद्यमों के सृजन और अनुरक्षण में रत रहे हैं। आज रवी अवसंरचना विकास एवं अन्य संबद्ध व्यापार में विविध रुचि के साथ एक स्थापित उद्योग–कप्तान है।

रवि एक प्रथम पीढ़ी के युवा उद्यमी की सफलता की कहानी को भी समाहित करते हैं जिनकी जड़े ग्रामीण पृष्ठभूमि की हैं और जिन्होंने थोड़े समय में गहन अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप और आकार में अपने व्यक्तिव एवं अपने व्यापार का विकास किया है।

"माटी के बेटे"के रूप में उनन्होंने समाज को वापस देने और आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्र जहां वे पैदा हुए थे, का उत्थान करने का निर्णय लिया। उन्होंने श्री सिटी के निर्माण में स्थानीय समुदायों में उनकी मजबूत जड़ों के साथ विदेश में रहने और व्यापार करते हुए प्राप्त किए गए गहन अनुभव को समेकित किया, जो कि भारत में नए शहरीवाद का एक अनूठा उदाहरण है। वे अपनी टीम का विश्व की सर्वोत्तम कंपनियों के गंतव्य के रूप में श्री सिटी को अपने लक्ष्य बनाने हेतु नेतृत्व करने में सफल रहे हैं।

वे जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, मेरीलैंड, यूएसए से पर्यावरण इंजीनियरिंग में एम.एस.ई. डिग्री तथा उठा स्टेट यूनिवर्सिटी, लोगान, उठा, यूएसए से जल संसाधन प्रबंधन में एम.एस. डिग्री तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (पूर्व आरईसी), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, भारत सरे सिविल इंजीनियरिंग में बी.एस. डिग्री धारी है। वे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री सिटी के शासी मंडल के सदस्य है।

श्री. श्रीनिवास पेद्दाडा
वरिष्ठ सलाहकार
जनरल अटलांटिक, हैदराबाद

श्रीनिवास पेद्दाडा जनरल अटलांटिक में एक वरिष्ठ सलाहकार हैं, जो भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में फर्म की निवेश टीमों और पोर्टफोलियो कंपनियों को रणनीतिक समर्थन और सलाह प्रदान करने के लिए आईटी अनुप्रयोगों और बुनियादी ढांचे में 25 से अधिक वर्षों के अनुभव पर आधारित हैं। 2020 में जनरल अटलांटिक में शामिल होने से पहले, श्रीनिवास निम्नलिखित पदों पर थे।

- मुख्य सूचना अधिकारी–भारत वित्तीय समावेशन लिमिटेड 2012–2020:
- मुख्य सूचना अधिकारी–डी एंड बी दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका समूह 2007–2012
- मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, एआईजी (2006 – 2007)
- मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, जीई फाइनेंस इंडिया रीजन और जीई ग्लोबल सपोर्ट टीम (2005–2006)–प्रौद्योगिकी रणनीति और संचालन का प्रबंधन
- मुख्य वास्तुकार, आईबीएम: 1995 – 2005
- वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक, टीसीएस (1992–1995)

सुश्री शालिनी कपूर
आईबीएम फेलो
मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी
(आईबीएम एआई एप्लीकेशन) बेंगलुरु

शालिनी कपूर एआई के संचार को अधिकतम करने के लिए अनुसंधान, रणनीति और विकास को आगे बढ़ाती हैं। वह आईबीएम की एआई बाजार–अग्रणी क्षमताओं का नेतृत्व कर रही है, लगातार, पुनः प्रयोज्य कार्यान्वयन पैटर्न, व्यवसाय परिवर्तन और मूल्य चला रही है, और एआई को व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ और उपयोग करने योग्य बना रही है, न कि केवल डेटा वैज्ञानिकों के लिए। वह संज्ञानात्मक अनुप्रयोगों के भीतर और पूरे भारत में एआई कौशल और अपनाने के लिए अभिनव और आकर्षक कार्यक्रमों

का नेतृत्व करती है। वह 23 साल के कार्य अनुभव के साथ एक नवप्रवर्तनक और प्रौद्योगिकी रणनीतिकार हैं। उनकी विशेषज्ञता व्यावसायिक अनिवार्यताओं को आगे बढ़ाने के लिए उत्पाद रणनीति विकसित करने, अग्रणी सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास और उच्च प्रदर्शन करने वाली वैश्विक टीमों के निर्माण में निहित है। वह उद्योगों में जटिल समाधान विकास में सिद्ध वास्तु कौशल के साथ प्रौद्योगिकी दृष्टि और व्यावसायिक कौशल का एक शक्तिशाली मिश्रण है। वह ग्राहकों की आवश्यकताओं के आधार पर नेक्स्ट–जेन समाधानों को इनक्यूबेट और इनोवेशन करने के लिए व्यापक रूप से जानी जाती हैं।

श्री. भुवन आनंदकृष्णन
निदेशक एवं केंद्र प्रमुख
कैटरपिलर प्रौद्योगिकी केंद्र–भारत, चेन्नई

भुवन आनंदकृष्णन कैटरपिलर इंडिया के भीतर इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी के निदेशक हैं। भुवन ने मद्रास विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की और ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री हासिल की। उन्होंने अमेरिका की ब्रैडली यूनिवर्सिटी से मैनेजमेंट डिप्लोमा भी किया है। भुवन को एंबेडेड फर्मवेयर डेवलपमेंट, मशीन एंड इंजन कंट्रोल सिस्टम्स, एचएमआई, टेलीमैटिक्स, ऑटोनॉमी एंड ऑटोमेशन, क्लाउड टेक्नोलॉजीज, एज कंप्यूटिंग और एडवांस्ड एनालिटिक्स के क्षेत्रों में उद्योग का 21 वर्ष का अनुभव है। उन्होंने कैटरपिलर इंक के भीतर कई तरह की इंजीनियरिंग, रणनीति विकास और नेतृत्व की स्थिति में काम किया है और भारत में इसकी इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर विकास योग्यता स्थापित करने में एक प्रमुख सदस्य रहे हैं। वे ज्छ और केरल क्षेत्र में नासकॉम जीसीसी परिषद के अध्यक्ष के रूप में उद्योग नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं।

प्रो. पी.जे. नारायणन
निर्देशक
अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद

पी जे नारायणन आईआईआईटी, हैदराबाद के निदेशक हैं और 3डी विजन, कम्प्यूटेशनल कैमरा और समानांतर कंप्यूटिंग के क्षेत्रों में शोधकर्ता हैं। उन्होंने 1990 के दशक के मध्य में कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय में 3डी ज्यामिति और गतिशील घटनाओं की उपस्थिति को पकड़ने के लिए वर्चुअलाइज्ड रियलिटी सिस्टम का निर्माण किया। वह कई कंप्यूटर विजन और सामान्य कंप्यूटिंग कार्यों के लिए ळच्न् के शुरुआती अपनाने वाले भी थे। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर से स्नातक (1984), मैरीलैंड विश्वविद्यालय से परास्नातक और पीएचडी (1992), सभी कंप्यूटर विज्ञान में प्राप्त किया। वह 1992 से 1996 तक सीएमयू के रोबोटिक्स संस्थान में एक शोध संकाय सदस्य थे और 1996 से 2000 तक सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स, बैंगलोर के विजन और वर्चुअल रियलिटी समूहों का नेतृत्व किया। वह 2000 से आईआईआईटी हैदराबाद के साथ रहे हैं और रहे हैं इसके पीजी समन्वयक, अनुसंधान के डीन, और, 2013 से, निदेशक। वह 2009 से 2014 तक एसीएम इंडिया के अध्यक्ष थे और एसीएम की विभिन्न गतिविधियों जैसे पुरस्कार, प्रौद्योगिकी नीति आदि में शामिल रहे हैं।

प्रो. पार्थ पी. चक्रवर्ती
सीएसई के प्रोफेसर और पूर्व निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
खड़गपुर

पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती ने 1985 में बी.टेक और 1988 में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर से पीएचडी पूरी की। वह 1988 में एक संकाय सदस्य के रूप में उसी विभाग में शामिल हुए और वर्तमान में एक वरिष्ठ प्रोफेसर हैं। जुलाई 2013 से वह 30 जून, 2019 तक आईआईटी खड़गपुर के निदेशक थे। वह अत्याधुनिक वीएलएसआई डिजाइन प्रयोगशाला के प्रोफेसर–इन–चार्ज थे, जिसे उन्होंने स्थापित करने में मदद की और प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श के डीन रहे। आईआईटी खड़गपुर में और उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र के प्रमुख। वह इलेक्ट्रॉनिक्स, नियंत्रण और सॉफ्टवेयर पर रणनीतिक जनरल मोटर्स–आईआईटी खड़गपुर सहयोगी अनुसंधान प्रयोगशाला के सह–निदेशक भी थे। उन्होंने निदेशक प्ज पटना और प्प्ज कल्याणी के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभाला। उन्होंने उद्योग और सरकार के साथ मिलकर काम किया है और एमएचआरडी, डीएसटी, सीएसआईआर एनएमआईटीएलआई एमईआईटीवाई डीएचआई आईएनएसं, वॉक्सवेगन के साथ कई सौ करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। फाउंडेशन, इंटेल, सिनोप्सिस, गूगल। नेशनल सेमीकंडक्टर्स, जनरल मोटर्स ऐसे कुछ नाम हैं। वह नेशनल इनिशिएटिव्स जैसे नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (https://ndl-iitkgp-ac-in), ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क्स या जीआईएएन (www-gian-iitkgp-ac-in) के आर्किटेक्ट और समग्र समन्वयक हैं। एसपीएआरसी (sparc-iitkgpac-in), इम्प्रिंट आदि भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में गेम चेंजर के रूप में उभर रहे हैं।

प्रो. के.एन. सत्यनारायण
निर्देशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति, आंध्र प्रदेश

डॉ. कालीडिंडी एन. सत्यनारायण वर्तमान में आईआईटी तिरुपति, आंध्र प्रदेश के निदेशक हैं। वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, भारत में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के भवन प्रौद्योगिकी और निर्माण प्रबंधन प्रभाग में प्रोफेसर रहे हैं। उन्होंने आईआईटी मद्रास से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के क्लेम्सन विश्वविद्यालय से निर्माण इंजीनियरिंग और प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ एमएस और पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। वे 1991 से आईआईटी मद्रास में संकाय सदस्य रहे हैं। 2009 में वे लोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए में विजिटिंग प्रोफेसर थे। प्ज मद्रास में उन्होंने सलाहकार – पूर्व छात्र मामले (2004–2009) और अध्यक्ष – इंजीनियरिंग यूनिट (2010–2013) के रूप में कार्य किया। वह वर्तमान में प्ज मद्रास अनुसंधान पार्क – चरण प्प (दस लाख वर्ग फुट की सुविधा) के लिए कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने प्ड त्रिची, प्ज इंदौर और प्ज जोधपुर सहित नए परिसरों की स्थापना के लिए समितियों में काम किया है। वह अकादमिक सलाहकार समूह, परियोजना प्रबंधन संस्थान (पीएमआई) के अध्यक्ष हैंय ग्लास

अकादमी के सलाहकार बोर्ड के उपाध्यक्षय भवन निर्माण सामग्री और संवर्धन परिषद (बीएमटीपीसी) के प्रबंधन बोर्ड में विशेषज्ञ सदस्य, और पांच कंपनी बोर्डों में स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य करता है।

प्रो जी. कन्नाबिरन
निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर

डॉ. गणेश, कन्नाबिरन, प्रबंधन प्रोफेसर (एचएजी). डॉ. गणेश कन्नाबिरन 25 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली में वरिष्ठ प्रबंधन प्रोफेसर है। उन्होंने कई वर्षों तक विभाग के प्रमुख के रूप में और संस्थान के स्तर पर शोध एवं परामर्श डीन के रूप में कार्य किया है। उन्होंने जून–नवंबर, 2016 की छोटी सी अवधि के लिए संस्थान के प्रभारी निदेशक के रूप में भी कार्य किया है।

वे राष्ट्रमंडल व्यावसायिक अध्येतावृत्ति (इडनबर्ग नेपियर यूनिवर्सिटी, यूके–2015), दो फुलब्राइट फैलोशिप (एजूकेशन एडमिनिस्ट्रेटर प्रोग्राम–2011, ओकलाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी–2015 में फुलब्राइट विजिटिंग लेक्टरार), तथा ब्रिटिश काउंसिल स्टडी फैलोशिप (हूडर्सफील्ड यूनिवर्सिटि यूके–1997) के प्राप्तकर्ता है। उन्होंने उच्च शिक्षा में उत्पादकता के माप संबंधी एशियाई उत्पादिकता संगठन द्वारा समर्थित एक अंतर्राष्ट्रीय शोध अध्ययन के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

उद्यमिता विकास एवं इंकूबेशन केंद्र के संस्थापक निदेशक (एनआईटीटी द्वारा संवर्धित खंड 8 कंपनी) के रूप में उन्होंने इंकूबेशन सुविधा के सृजन के लिए और बीजक निधियन के जरिए नवाचारी व्यापार उद्यम को सहायता प्रदान करने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की 15.5 मिलियन भारतीय रूपए का प्रमुख अनुदान प्राप्त किया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से प्रदत्त "उच्च प्रभाव उद्यमिता परिसर पुरस्कार 2015" जीतने में संस्थान का नेतृत्व किया। उन्होंने नवाचारी और उद्यमिता विकास प्रयासों के समर्थन हेतु सोनाटा सॉफ्टवेयर लिमिटेड से 1.2 भारतीय करोड़ रुपए का कारपोरेट निधियन प्राप्त करने में प्रयासों का नेतृत्व किया।

प्रो. जी. कन्नाबिरन
निदेशक और रजिस्ट्रार प्रभारी
(27 अगस्त, 2019 से रजिस्ट्रार प्रभारी के रूप में अतिरिक्त प्रभार)

2.3.2 वित्त समिति

अध्यक्ष	श्री एम. बालासुब्रम्णयम अध्यक्ष, आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर 26 अगस्त, 2020 से

सदस्य	श्री अनिल कुमार, निदेशक (वित्त), आईएफडी नुभाग उच्चतर शिक्षा विभाग (टीएस–1), शिक्षा मंत्रालय

	श्री जे श्यामला राव, आईएएस सचिव, सरकार उच्चतर शिक्षा विभाग, आंध्र प्रदेश की सरकार

	श्री श्रीनिवास सी. राजू अध्यक्ष, श्रीसिटी फाउंडेशन

	प्रो जी. कन्नाबिरन निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर

2.3.3 भवन एवं कार्य समिति

अध्यक्ष	प्रो जी. कन्नाबिरन निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी
---	---
सदस्य	प्रो. पी. कृष्णा एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी तिरुपति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के नामिति)

	श्री वाई वेंकटपती राव आंध्र प्रदेश सरकार में संयुक्त सचिव उच्चतर शिक्षा विभाग आंध्र प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि – सदस्य

	श्री श्रीनिवास तल्लाप्रगड़ा – उद्योग भागीदार नामिति स्वतंत्र परियोजना और सुविधा सलाहकार (उद्योग भागीदार के नामिति)

	प्रो. ए. मेहर प्रसाद – बोर्ड नामिति प्रोफेसर स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास

श्री यू. सार्थ चंद्रा कांत – बोर्ड नामिति
संस्थापक एवं प्रधान वास्तुकला डिजाईन टेक.
चेन्नई

डॉ. ऋषिकेश वेंकटरमन – सदस्य
एसोसिएट प्रोफेसर एवं एशोसिएट

रजिस्ट्रार प्रभारी
सचिव
आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर

सीनेट

अध्यक्ष पदेन	**प्रो. जी. कन्नाबिरन** निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर
तीन व्यक्ति जो ख्यातिप्राप्त शिक्षाविद हों परंतु संस्थान के कर्मचारी न हों	**प्रो.सी. वी. जवाहर – विशेष आमंत्रिति** प्रोफेसर और डीन आईआईआईटी हैदराबाद
	प्रो. देबदीप मुखोपाध्याय – सदस्य प्रोफेसर, सीएसई विभाग आईआईटी खडगपुर
	प्रो. बालारमन रविन्द्रन – सदस्रू प्रोफेसरए आईआईटी मद्रास
तीन व्यक्ति जो शिक्षण कर्मचारी न हो परंतु विशिष्ट जानकारी वाले हों	**डा. चन्द्रमोलीस्वरण वी – सदस्य** वीपी रिस्क मेनेजमेंट भारत पेपाल चेन्नई
	डा. प्रतिभा मूगी – सदस्य एनटीएमएम, आईबीएम, बंग्लौर
	डा. पार्थासारथी रामास्वामी – सदस्रू वरिष्ठ प्रधान अभियंताए इंटेल बंग्लौर
पदेन सचिव	प्रो. जी. कन्नाबिरन – सचिव प्रभारी कुलसचिव आईआईटी श्रीसिटी, चित्तूर

2.4 परिसर और स्थल

परिसर श्री सिटी में 81 एकड़ में फैला और अत्याधुनिक अवसंरचना से सुसज्जित है। सड़क, वायु मार्ग इत्यादि द्वारा बाधारहित कनेक्टिविटी के नेल्लोर राजमार्ग, श्री सिटी पर चेन्नई के 55 किलोमीटर उत्तर में स्थित। (विजिटः http://www.sricity.in). आईआईआईटी श्री सिटी कला, उद्योग शहर के दशक पुराने राज्य श्री सिटी में स्थित है जो कि बहु उत्पाद विशेष आर्थिक जोन (एसईजेड़), घरेलू टैरिफ जोन (डीटीजेड़), फ्री ट्रेड एवं वेयर हाउसिंग जोन (एफटीडब्ल्यूजेड़) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण कलस्टर का शामिल करते हुए 8000 से अधिक एकड़ में फैला है। श्री सिटी में 30 देशों की 180 कंपनियां हैं। संस्थान की उद्योग भागीदार के माध्यम से श्री सिटी में उपलब्ध उद्योगों तथा सामाजिक अवसंरचना तक पहुंच है।

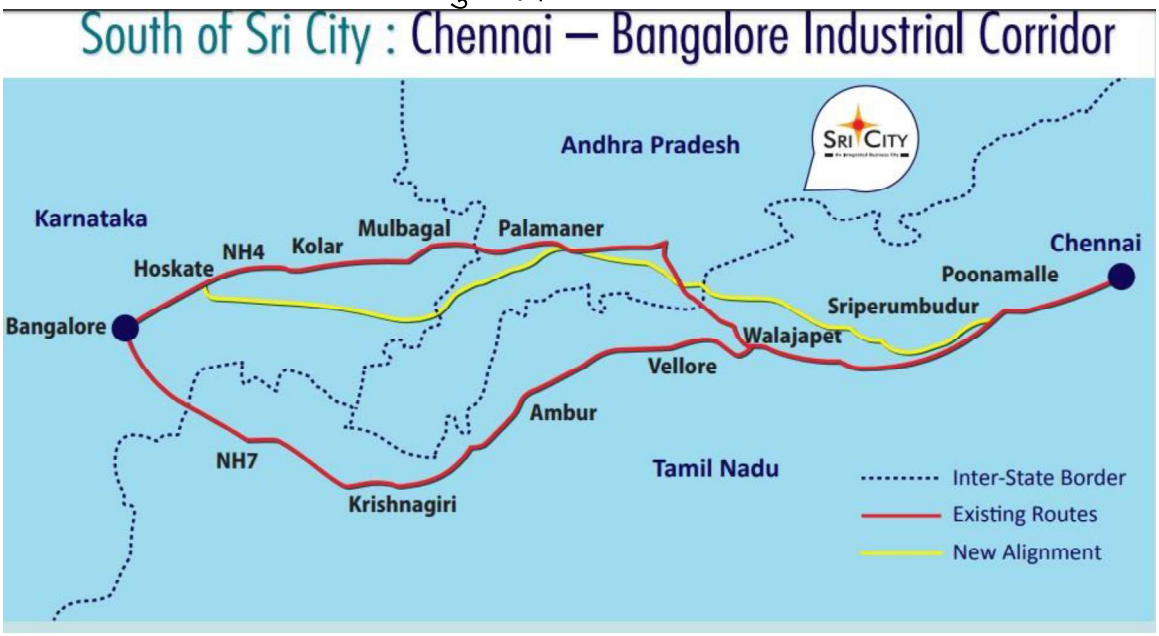

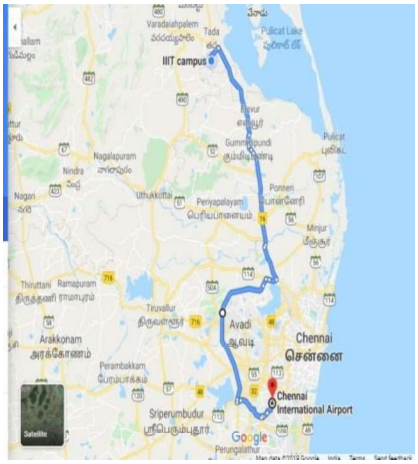

2.5 अवसंरचना

शिक्षण–कक्ष

संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2018–19 से अपने स्वयं के परिसर से कार्य करना आरंभ किया।

शैक्षिक ब्लॉक

शिक्षण कक्ष

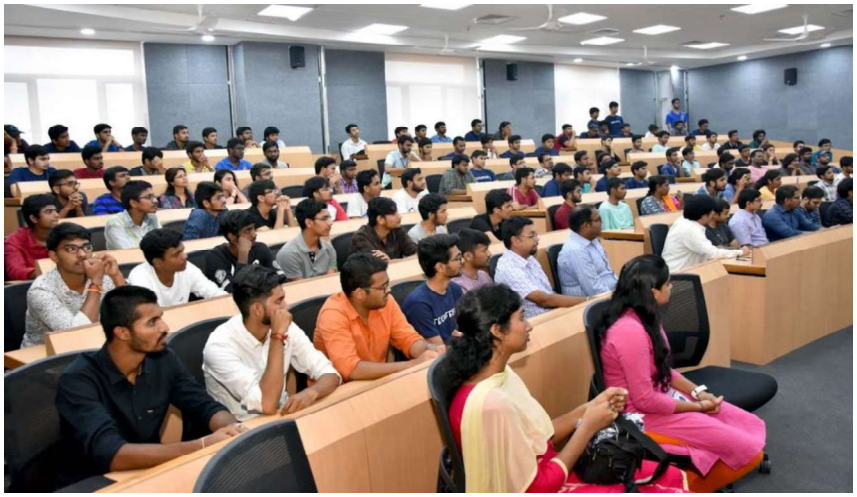

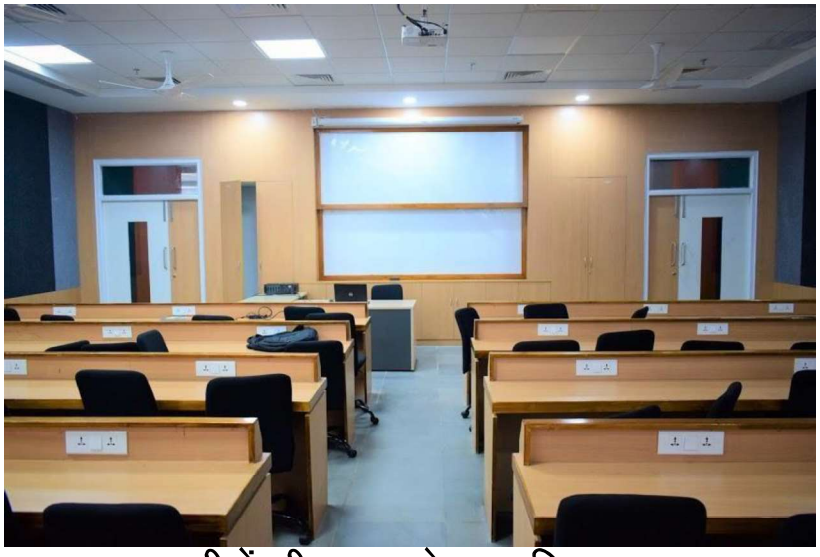

60 सीटों की क्षमता के साथ शिक्षण–कक्ष

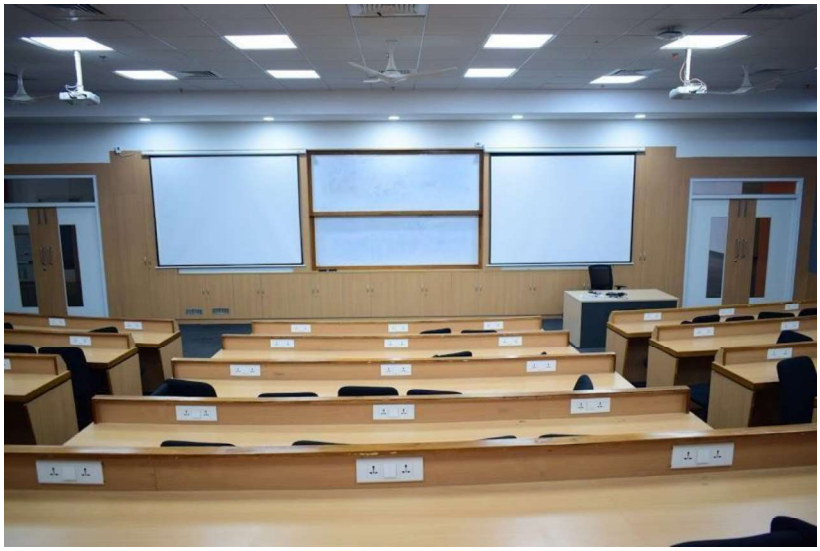

120 सीटों की क्षमता के साथ शिक्षण–कक्ष

अतिरिक्त संकाय केबिन

पुस्तकालय

शैक्षिक वर्ष 2021–22 में आईआईआईटी श्री सिटी के पुस्तकालय के लिए प्रमुख इवेंट। जैसा कि नीचे दिए गए चित्र में दर्शाया गया है कि पुस्तकालय की 50 सीटिंग क्षमता के साथ 1905 वर्ग मीटर का क्षेत्र है। सीएसई, ईसीई, गणित और मानविकी को शामिल करते हुए कुल 3012 पुस्तकों की क्षमता के साथ 23 रैक हैं। यह संख्या पुस्तकों के आकार के आधार पर भिन्न हो सकती है।

कई पाठ्य–पुस्तकों, संदर्भ एवं शोध संबंधित पुस्तकों की खरीद की गई जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया हैः 2021–22 के दौरान आईआईआईटी श्री सिटी में शैक्षिक ब्लॉक पर व्यय का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पुस्तकों की संख्या	लागत रू
1	ईसीई	8	12,015
2	गणित	2	1,234
3	सीएसई	14	10,503
4	सामान्य	1	3,313

प्रयोगशालाएं

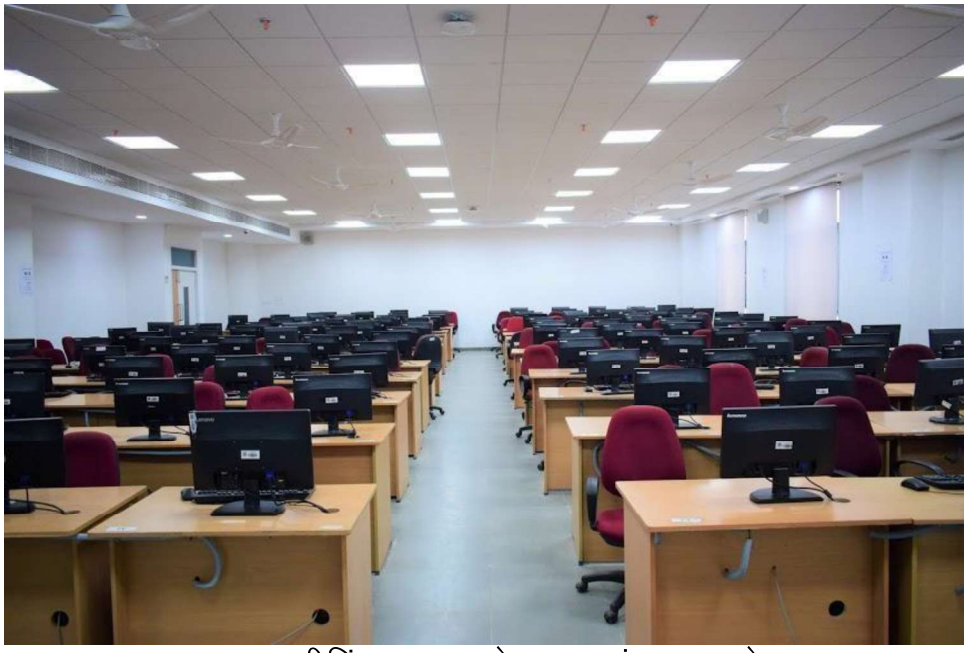

125 सीटिंग क्षमता के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला

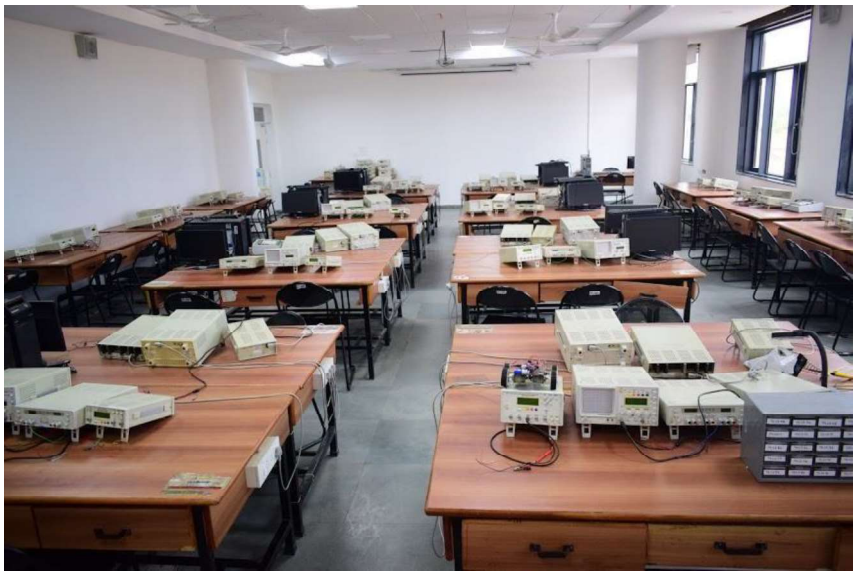

100 सीटिंग क्षमता के साथ इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला

छात्रावास

छात्रावास एवं भोजनशाला सुविधा

भोजनशाला

खेल सुविधाएं

3. प्रवेश

3.1 अवर स्नातक प्रवेश नीतिः

आईआईआईटी श्री सिटी सूचना प्रौद्योगिकी पर केंद्रित अवर स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. (सीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में बी.टेक. (ईसीई)

जेओएसएए/सीएसएबी के तहत प्रवेश

आईआईआईटी श्री सिटी प्रवेश अधिनियम के अनुसार केंद्रीय शिक्षा संस्थान आरक्षण का अनुपालन करता है। प्रवेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईईई मैन) पर आधारित होता है। जेईईई मैन की अधिसूचना सितंबर–दिसंबर के दौरान भारत के दैनिक समाचार–पत्रों में प्रकाशित की जाती है और इसका संचालन भारत के विभिन्न केंद्रों में प्रत्येक वर्ष मई माह में किया जाता है। प्रवेश सभी वर्गों, धर्म, जातियों और ट्रांसजेंडर सहित सभी लिंगों के लिए खुला होता है। सीएसई और सीएससी कार्यक्रमों में बी.टेक. प्रवेश जेओएसएए/सीएसएबी के माध्यम से दिया जाता है।

जेईईई मैन्स में वरीयता रैंकिंग के आधार पर संयुक्त सीट आबंटन प्राधिकरण (जेओएसएए) अथवा केंद्रीय सीट आबंटन बोर्ड (सीएसएबी) अभ्यर्थियों को उनकी रूचि के संस्थान को चुनने हेतु एक ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र के लिए आमंत्रित करते हैं। जेओएसएए तथा सीएसएबी सीट आबंटन प्रक्रिया की घोषणा करते है तथा आईआईआईटी श्री सिटी छात्रों के सीट आबंटन में कोई भूमिका नहीं निभाता है। आईआईआईटी श्री सिटी में प्रवेश के लिए योग्यता ही एक मात्र मापदंड है। प्रवेश प्रक्रिया संबंधी आगे विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.josaa.nic.in देखें।

328 छात्रों को सीएसएबी/जेओएसएए के माध्यम से सीएसई और ईसीई में 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है

डीएएसए के अंतर्गत प्रवेश और भारतीय कार्यक्रम में अध्ययनः

संस्थान ने डीएएसए के माध्यम से विदेशी छात्रों के प्रवेश और भारतीय कार्यक्रम में अध्ययन के लिए 2019–20 से आरंभ करते हुए कदम उठाए हैं। गैर–सार्क श्रेणी के अंतर्गत डीएएसए के लिए अधिकतम 15% सीटें देने का प्रस्ताव है। भारत में अध्ययन कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान सीएसई और ईसीई कार्यक्रमों में अधिकतम 40 छात्रों के अधीन छात्रों के 20% के लिए 25% फीस छूट प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, भारत में अध्ययन और यूके एजूकेशन एंड रिसर्च इनोवेशन पार्टनरशिप (यूकेआईईआरआई) के भाग के रूप में आईआईआईटी श्री सिटी यूके से विशिष्ट विश्वविद्यालयों के छात्रों को आईआईआईटी श्री सिटी में न्यूनतम दो सप्ताह से छः माह के लिए स्थान देगा। अधिक

4 छात्रों को डीएएसए के माध्यम से सीएसई में 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया।

1 छात्र को भारत में अध्ययन के माध्यम से सीएसई में 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया।

ब्यौरे के लिए देखे डीएएसए की वेबसाइट www.dasanit.org
अधिक ब्यौरे के लिए देखे http://www.studyinindia.gov.in/

3.2 स्नातकोत्तर प्रवेश नीतिः

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग और साइबर सुरक्षा के बढ़ते हुए महत्व को स्वीकार करते हुए, संस्थान की सीनेट में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी दूरदर्शी अर्थात् प्रो. सीवी. जवाहर, प्रोफेसर, आईआईटी हैदराबाद, प्रोफेसर देवेंद्र जलिहाल, प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास, प्रोफेसर एम. बालकृष्णन, प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली, प्रोफेसर, एस. सुदर्शन, प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे, डॉ. गार्गी बी दासगुप्ता, निदेशक, आईबीएम, श्री कन्नन बाबू रमिया, प्रिंसिपल इंजीनियर, इंटेल और श्री कुमार श्रीधरन, उत्पाद प्रमुख, टीसीएस ने परिणाम–उन्मुखी पाठ्यक्रम पर जोर देने के साथ उद्योग–अनुरूप दो साल के एम.टेक कार्यक्रमों को संरचित और अनुमोदित किया है। वर्तमान में, आईआईआईटी श्री सिटी दो विशेष स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में एम.टेक
- साइबर सुरक्षा में एम.टेक

संस्थान गेट योग्य उम्मीदवारों को सीसीएमटी और गैर–गेट उम्मीदवारों के माध्यम से संस्थान स्तर की चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश प्रदान करता है। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए, पंद्रह सीटें सीसीएमटी के माध्यम से और पंद्रह सीटें संस्थान चयन प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध हैं। संस्थान भारत सरकार के नियमों के अनुसार आरक्षण नीति का पालन करता है।

गेट उत्तीर्ण उम्मीदवार के लिए सीसीएमटी के माध्यम से प्रवेशः
गेट उम्मीदवारों के साथ बी.टेक/बी.ई. सीएसई/ईसीई/समकक्ष शाखाओं में एम.टेक (सीसीएमटी) 2022 पोर्टल के लिए केंद्रीकृत परामर्श के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। गेट श्रेणी में, उम्मीदवारों के पास वैध गेट स्कोर होना चाहिए और उम्मीदवारों को प्रवेश के लिए सीसीएमटी की प्रक्रियाओं का पालन करना होगा। गेट उम्मीदवारों के लिए पात्रता मानदंड सीसीएमटी नियमों द्वारा शासित होंगे। प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी यहां उपलब्ध हैः hhtp://ccmt-admissions-nic-in/

गैर–गेट उम्मीदवारों के लिए संस्थान स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेशः

गैर–गेट उम्मीदवार बी–टेक/बीई–सीएसई/ईसीई/समकक्ष शाखाओं में संस्थान प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। क्वालीफाइंग डिग्री में, उम्मीदवारों को कम से कम 6.5 सीजीपीए (10–पॉइंट स्केल पर) या जनरल/जनरल–ईडब्ल्यूएस/ओबीसी के लिए 60% के साथ पास होना चाहिए, जबकि एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के मामले में 6.0 सीजीपीए (10–पॉइंट स्केल पर) या 55% होना चाहिए।

सीएफटीआई संस्थानों से स्नातक डिग्री वाले गैर–गेट उम्मीदवारों की उनके पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड के आधार पर जांच की जाएगी और उनके पास कम से कम 8.0 सीजीपीए होना चाहिए। स्क्रीन किए गए उम्मीदवारों को आईआईआईटी श्री सिटी में एक कोडिंग टेस्ट और एक साक्षात्कार देना होगा। गैर–गेट सामान्य उम्मीदवारों (<8.0 सीजीपीए के साथ गैर–सीएफटीआई या सीएफटीआई) की उनके पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड के आधार पर जांच की जाएगी। स्क्रीन किए गए उम्मीदवारों को आईआईआईटी श्री सिटी में एक लिखित परीक्षा देनी होगी। परीक्षा का पाठ्यक्रम गेट के समकक्ष है। परीक्षण के परिणाम का उपयोग दूसरी स्क्रीनिंग करने के लिए किया जाएगा। दूसरी स्क्रीनिंग पास करने वालों को आईआईआईटी श्री सिटी में एक कोडिंग टेस्ट और एक साक्षात्कार देना होगा। कार्य अनुभव वाले उम्मीदवारों को चयन प्रक्रिया में अतिरिक्त वेटेज दिया जाएगा।

संस्थान की चयन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत पात्रता मानदंड और जानकारी यहां उपलब्ध हैः
https://www.iiits.ac.in/admissions/m-tech-programme/

3.3 पीएचडी प्रवेश नीतिः

डॉक्टरेट कार्यक्रम, जिनमें पी.एचडी की डिग्री प्रदान की जाती है, संस्थान की निम्नलिखित शाखाओं में पेश किए जाते हैंः

i) कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
ii) इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग

आईआईआईटी श्रीविटी में पीएचडी के लिए पंजीकरण के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए पंजीकरण की 2 श्रेणियों का प्रावधान है, जो पूर्णकालिक आधार पर अनुसंधान अध्ययन के इच्छुक हैं, वे **पूर्ण–कालीन पी. एचडी** का विकल्प चुन सकते हैं और सरकारी आरएंडडी संगठनों के कार्यरत व्यावसायिक/आईटी कर्मी **अंशकालीन पी.एचडी** का विकल्प चुन सकते हैं। पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश वर्ष में दो बार मानसून और वसंत के दौरान किया जाता है।

सीएसई/ईसीई में पूर्णकालीन पीएचडी

एम.ई./एम.टेक/एमएस अथवा समकक्ष डिग्री अथवा इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी की किसी भी शाखा में समकक्ष डिग्री के साथ अच्छे अकादमिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवार (या) कम्प्यूटर एप्लीकेान/इलेक्ट्रानिक विज्ञान/कम्प्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी (अथवा गणित और प्रोग्रामिंग में मजबूत पृष्ठभूमि के साथ किसी संबद्व क्षेत्र) अथवा किसी अन्य संबंधित विषय में सांख्यिकी/गणति में स्नातकोत्तर (अथवा) वे आपवादिक उम्मीदवार जिन्होंने 9.0 अथवा उससे उपर के सीजीपीए के साथ बी.ई./बी.टेक किया हो और शोध दस्तावेज के माध्यम से शोध क्षमता प्रदर्शित की हो। आईपी और समान शोध परिणामों पर भी विचार किया जा सकता है।

सीएसई/ईसीई में अंशकालीन पीएचडी

रोजगार सहित आईटी उद्योग/एमएनसी से गहन तकनीकी पृष्ठभूमि वाले आईटी व्यावसाहिक तथा जिनका भारत में आवासीय आधार है अथवा डीआरडीओ, इसरो इत्यादि जैसी भारतीय शोध प्रयोगशालाओं में कार्यरत वैज्ञानिक आवेदन के पात्र होते हैं। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से कोई एक मापदंड पूरा करना होंगाः लागू क्षेत्र में न्यूनतमक प्रथम श्रेणी स्नातकोत्तर डिग्री अथवा लागू क्षेत्र में बी.ई./बी.टेक वाले आपवादिक उम्मीदवार आवेदन के पात्र होते हैं। दोनों मामलों में स्नातकोत्तर डिग्री एवं प्रख्यात एमएनसी में 2 वर्ष का दस्तावेंजों सहित अनुभव अथवा प्रख्यात एमएनसी में 5 वर्ष के दस्तावेज सहित औद्योगिक अनुभव सहित स्नातक डिग्री वाले उम्मीदवार आवेदन के पात्र होंगे।

प्रवेश प्रकिया

- न्यूनतक पात्रता मापदंडों को पूरा करना
- वे उम्मीदवार, जिनकी पी.एचडी प्रवेश समिति द्वारा सिफारिश की गयी हो, को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।
- लिखित परीक्षा प्रदर्शन के आधार पर छांटे गए उम्मीदवारों को पी.एचडी प्रवेश साक्षात्कार पेनल के समक्ष उपस्थित होने की आवश्यकता होती है।

पी.एचडी कार्यक्रामें में चयन वरीयता के आधार पर दिया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी (संस्थान की छात्रवृत्तियां, उद्योग जगत के काम्रिक) में सभी उम्मीदवारों के लिए वरीयता सूची लिखित परीक्षा, साक्षात्कार, यूजी/पीजी में अंकों, अनुभव और प्रकाशनों में संचयी अंकों के आधार पर होगी। पृष्ठभूति अनुभव को देखते हुए, साक्षात्कार और अन्य घटकों (जैसे कि शैक्षिक योग्यता, शोध प्रकाशन/पेटेंट, कार्य अनुभव इत्यादि) के लिए अधिक वेटेज दी सकती है।

मानसून 2021 और बसंत 2022 में पीएचडी कार्यक्रम में 10 छात्रों को प्रवेश दिया गया। इस अवधि के दौरान छात्रों की कुल संख्या 34 थी।

4. शैक्षणिक कार्यक्रम

4.1 अवर स्नातक

अवर स्नातक पाठ्यचर्या

आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर को प्रथम छः वर्षों में आईआईआईटी हैदराबाद द्वारा परामर्श दिया गया। आईआईआईटी श्री सिटी में पाठ्यचर्या एक प्रयोग–थ्योरी–प्रैक्टिस दृष्टिकोण का अनुपालन किया जाता है जिसमें छात्रों को पहले प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान करते हुए वास्तविक जगत के इंजीनियरिंग दृष्टिकोण से अवगत कराया जाता है। इसके पश्चात् कठोर थ्योरी आधारित पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं जिनके बाद वास्तविक जगत की परियोजनाओं के साथ प्रायोगिक पाठ्यक्रम पुनः प्रदान किए जाते हैं जिनमें प्रत्येक छात्र की गहन भागीदारी आवश्यक होती है। पाठ्यचर्या, आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी और विश्व की

उच्च शिक्षण प्रमुख संस्थाओं में सर्वोत्तम पद्धतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाता है। संस्थान सर्वोत्तम कक्षा शिक्षा को प्रमुख शोध के साथ समेकित करता है जिससे अवर स्नातक छात्र दूसरे वर्ष के अंत से आरंभ करते हुए विभिन्न शोध एवं प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। उल्लेखनीय रूप से पाठ्यचर्या ऑनर्स कार्यक्रम की लोचशीलता प्रदान करती है जिसमें छात्र 2 वर्ष की अवधि के लिए विशिष्ट क्षेत्र में कार्य करते हुए तथा अपनी रूचि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव प्राप्त करते हुए अपने कौशल को निखार सकते हैं। साइबर सिक्योरिटी, साइबर फिजिकल सिस्टम, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, एआई तथा मशीन लर्निंग, फिनटेक, बॉयो–इंफॉरमेटिक्स, ब्लॉकचैन इत्यादि जैसे क्षेत्रों में माइनर प्रदान करने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, पाठ्यचर्या के भाग के रूप में किसी उद्योग अथवा प्रख्यात शोध प्रयोगशाला में एक सेमेस्टर के प्रोजेक्ट प्रदान करने का प्रस्ताव है।

विशेषज्ञता के साथ अवर स्नातक

आईआईआईटी श्री सिटी में पात्र छात्र अतिरिक्त क्रेडिट करते हुए और सेमेस्टर की इंटर्नशिप परियोजनाओं द्वारा एआई तथा एमएल, साइबर सुरक्षा और साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कर सकते हैं।

एआई एमएल में विशेषज्ञता

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस हाल के समय में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, सूचना, विजुअल समझ, प्रभावी परिवहन, लोगों के लिए ई–गवर्नेंस सेवाओं में अधिक सक्षमता सहित जटिल सामाजिक समस्याओं को हल करने की संभावित योग्यता के साथ उभरा है। कई राष्ट्रों ने राष्ट्रीय प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया है। भारत सरकार ने भी भारत में एआई की भूमिका के संबंध में व्यापक विचार–विमर्श आरंभ किए हैं। नीति आयोग ने भारत सरकार को समर्पित एआई योजना का सुझाव दिया है। इसके अतिरिक्त, सर्वोच्च सूचना प्रोद्धोगिकी उद्योगों जैसे कि गूगल, अमेजन, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट इत्यादि ने एआई आधारित शोध एवं विकास में हाल के दिनों में बड़ा निवेश किया है। कई स्टार्ट–अप भी विश्व भर में एआई में उभर कर सामने आ रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग में विशिष्ट बी.टेक. कार्यक्रम आईआईआईटी श्रीसिटी के इको सिस्टम में और अधिक तेजी लाएगा तथा अत्यधिक कुशल श्रमिक तैयार करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग में बी.टेक. का उद्देश्य उद्योग की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करना और समाज के लिए अत्यधिक सक्षम एआई वैज्ञानिक और इंजीनियर तैयार करना है। इस विशिष्ट कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के वरीयता क्षेत्रों में कड़ा प्रशिक्षण प्रदान करते हुए स्नातक तैयार करना है। एआई तथा एमएल में विशिष्टता के साथ बी.टेक. छात्रों को इस प्रकार से सुदृढ़ करेगा कि वे एआई विश्व नेता बन सकें और बेहतर तरीके से भारत के भविष्य को आकार दे सकें।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग (एआई तथा एमएल) की नौकरियों और शोध के एक सर्वोच्च क्षेत्र के रूप में पहचान की गई है। इस क्षेत्र में सीएसई में बी.टेक. कार्यक्रम की तुलना में अधिक नौकरियां

होंगी। हमारे संस्थान ने एआई और एमएल ज्ञान और कौशल के साथ इंजीनियरों की मांग को पूरा करने के लिए छात्रों की तैयारी हेतु एआई तथा एमएल में विशेषज्ञता हेतु कई प्रयास किए हैं। इस प्रकार चालू अंतिम वर्ष छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग में विशेषज्ञता का विकल्प चुनने की सलाह दी जाती है। यह किसी अच्छी कंपनी में नौकरी प्राप्त करने और शानदार वेतन के आपके विकल्पों को अधिकतम बनाएंगा।

सीएसई में प्लेन बी.टेक. डिग्री के लिए चालू अंतिम वर्ष के छात्रों को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक. के लिए छात्रों को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, छात्र एआई और एमएल में विशेषज्ञता के भाग के रूप में प्रदान किए जाने वाले प्रयोग अभिमुखी लर्निंग पाठ्यक्रमों को चुन सकते हैः

क) डीप लर्निंग
ख) रिइन्फोर्समेंट लर्निंग
ग) एआई और एमएल के उद्योग प्रयोग
घ) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) में प्रत्येक में 4 क्रेडिट हैं और इसमें उद्योग तथा शिक्षा जगत से विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल हैं। सेमेस्टर लंबी परियोजनाओं में 8 क्रेडिट हैं और ये कार्य उन उद्योगों में किया जाएगा जिनमें एआई और एमएल शामिल होते हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर एआई और एमएल विशेषज्ञता का विकल्प चुनने वाले छात्र को एआई और एमएल में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. डिग्री प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 20 क्रेडिट लेने होंगे।

साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता

वर्तमान में साइबर सुरक्षा में उपलब्ध नौकरियां आने वाले वर्षों में आईटी नौकरियों से काफी अधिक हो जाएंगी। संदर्भ यह है कि साइबर सुरक्षा व्यावसायिकों की मांग काफी बढ़ रही है और कंपनियां यह मानती है कि साइबर सुरक्षा प्रोफाइल वालें लोगों की कमी है। वास्तव में, नास्कोम ने 2025 से पहले एक मिलियन साइबर सुरक्षा नौकरियां सृजित करने का आवाह्न किया है (मांग को पूरा करने के लिए) और यह सब आने वाले वर्षों में स्नातक होने वाले छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में ये विशेषज्ञता पैदा करने की आवश्यकता को दर्शाता है। ऐसे अवसरों की उपस्थिति में हमारा ध्यान साइबर सुरक्षा में विशिष्ट स्नातकोत्तर कार्यक्रम के माध्यम से साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता तैयार करने पर केंद्रित है।

साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. का उद्देश्य नेटवर्क और डाटा सुरक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक कुशल श्रमिकों की आवश्यकताओं को पूरा करना है। आईआईआईटी श्री सिटी समुदाय ऐसे विभिन्न सर्वोच्च उद्योगों के साथ जुड़ा है जो सूचना सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्य करते हैं। प्रस्तावित विशेषज्ञता में संबंधित क्षेत्र में कुछ प्रोन्नत इलेक्टिव और सूचना सुरक्षा के विविध पाठ्यक्रम शामिल होंगे।

सीएसई में एक प्लेन बी.टेक. डिग्री के लिए अंतिम वर्ष के छात्र को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक. के लिए छात्र को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के भाग के रूप में छात्र प्रयोग अभिमुखी शिक्षण के साथ प्रदान किए जाने वाले विभिन्न निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैः

क) साइबर सुरक्षा की पहचान
ख) नेटवर्क और डाटा सुरक्षा
ग) अनप्रयुक्त क्रिप्टोग्राफी
घ) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) में प्रत्येक में 4 क्रेडिट हैं और इसमें उद्योग तथा शिक्षा जगत से विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल हैं। सेमेस्टर लंबी परियोजनाओं में 8 क्रेडिट हैं और ये कार्य उन उद्योगों में किया जाएगा जिनमें साइबर सुरक्षा शामिल होती हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता का विकल्प चुनने वाले छात्र को साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. डिग्री प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 20 क्रेडिट लेने होंगे।

साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता

सीपीएस फिजिकल प्रक्रिया, वॉयरलेस नेटवर्किंग और गहन कंप्यूटिंग का मिश्रण है। फिजिकल प्रक्रिया की विविध सेंसरों द्वारा निगरानी की जाती है और तत्पश्चात् इसे स्वचालित फीडबैक आधारित एमबेडिड नियंत्रण प्रणाली तैयार करने के लिए नेटवर्किंग के माध्यम से संचालित किया जाता है। स्वचालित/स्मार्ट प्रणालियां डाटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग और पैटर्न पहचान प्रौद्योगिकियों के माध्यम से डाटा बिंदुओं के साथ ली गई हैं।

पिछले 3–5 वर्षों में इस क्षेत्र में कार्य करने और प्रौद्योकीय अवसर प्रदान करने वाली कंपनियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इस संबंध में विनिर्माण तथा इलेक्ट्रॉनिक आधारित उद्योगों में बड़ी संख्या में प्रयोगों को देखते हुए आईआईआईटी श्री सिटी सीपीएस में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कार्यक्रम प्रदान करता है। आईआईआईटी श्री सिटी भारत में और कुछ विश्वविद्यालयों में पहला आईआईआईटी है जिसने बी.टेक. के छात्रों के लिए यह विशेषज्ञता प्रदान की है। यह एक अंतर–विषयक कार्यक्रम है जो छात्रों को आवश्यक प्रौद्योगिकीय कौशल–सेटों की अगली आवश्यकता के लिए प्रशिक्षित और तैयार करेगा।

सीपीएस विशेषज्ञता के साथ ईसीई में बी.टेक. के लिए छात्र को अतिरिक्त 20 क्रेडिट करने होंगे। इसमें 3 अतिरिक्त 4–क्रेडिट पाठ्यक्रम सेमेस्टर लंबी इंटर्नशिप शामिल होंगी। सीपीएस विशेषज्ञता के लिए पाठ्यक्रम में प्रयोग अभिमुखी शिक्षण शामिल होगाः

1. माइक्रो–सेंसर और एक्चुएटर (एमएसए)
2. सीपीएस की पहचान

3. सीपीएस में एआईएमएल के प्रयोग

उद्योग में की जाने वाली सेमेस्टर इंटर्नशिप 8–क्रेडिट की है जिसमें सीपीएस के विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।

आगे, संस्थान का उद्देश्य स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए सीपीएस/आईआईओटी प्रयोगशाला की स्थापना करना है जिसमें हम श्री सिटी में हाई–टेक विनिर्माण उद्योगों के साथ सहयोग करेंगे।

ऑनर्स कार्यक्रम के माध्यम से यूजी रिसर्च पर फोकस

यूजी–रिसर्च के संवर्धन के उद्देश्य से हमारा एक अन्नय ऑनर्स कार्यक्रम है जिसमें छात्र 4 सेमेस्टर की अवधि के लिए किसी संकाय अथवा संकाय के समूह के अंतर्गत किसी विशेष क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वे शोध प्रकाशन अथवा बौद्धिक संपदा अथवा सॉफ्टवेयर अथवा हार्डवेयर उत्पाद प्रस्तुत करते हुए अपनी ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

4.2 स्नातकोत्तर

आईआईटी श्रीसिटी i) आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग (एआई एवं एमएल), एवं ii) सायबर सुरक्षा में द्विवर्षीय विशिष्ट एम.टेक डिग्री प्रदान करता है।

4.2.1 एआई एवं एमएल में एम.टेक

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के बढ़ते महत्व को स्वीकार करते हुए, संस्थान की सीनेट में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी एवं दूरदर्शी प्रो. सी.वी. जवाहर, प्रोफेसर आईआईटी हैदराबाद; प्रो. देवेंद्र जलिहाल, प्रोफेसर आईआईटी मद्रास; प्रो. एम. बालकृष्णन, प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली; प्रो. एस. सुदर्शन, प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे; डॉ. गार्गी बी दासगुप्ता, निदेशक, आईबीएम; श्री कन्नन बाबू रामिया, प्रधान अभियंता, इंटेल और श्री श्रीकुमार श्रीधरन, उत्पाद प्रमुख, टीसीएस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में उद्योग के अनुरूप द्विवर्षीय एम.टेक कार्यक्रम को संरचित और अनुमोदित किया है, जिसमें परिणाम–उन्मुखी पाठ्यक्रम पर जोर दिया गया है।

कार्यक्रम का पहला सेमेस्टर मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं नॉलेज रिप्रेजेंटेशन, एडवांस्ड डेटा स्ट्रक्चर्स एवं एल्गोरिदम, मैथमैटिकल फाउंडेशन और एआई एंड एथिक्स जैसे मूलभूत पाठ्यक्रम प्रदान करता है। छात्रों को प्रथम सेमेस्टर से ही संकायों द्वारा व्यक्तिगत रूप से सलाह दी जाएगी और औद्योगिक इंटर्नशिप लेने या संस्थान के संकायों के साथ प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यक्रम का दूसरा सेमेस्टर डीप लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स और विजुअलाइजेशन के दो मुख्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, कंप्यूटर विजन, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, सूचना पुनर्प्राप्ति, डेटा खनन, रोबोटिक्स, संभाव्य ग्राफिकल मॉडल, बिग डेटा एनालिटिक्स, सुदृढीकरण लर्निंग एवं उन्नत अनुकूलन जैसे एआई और एमएल से संबद्ध क्षेत्रों में गहरी समझ और अनुसंधान की सुविधा के लिए कई ऐच्छिक विषय भी पेश किए गए हैं। छात्रों को कार्यक्रम के अंतिम दो सेमेस्टर के

दौरान उद्योग से जुड़ने और उद्योग प्रथाओं हेतु प्रभावी अभिविन्यास की सुविधा के लिए वर्ष भर की औद्योगिक परियोजनाओं को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एम.टेक एआई एवं एमएल पाठ्यचर्या

एमटेक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में कुल 64 क्रेडिट शामिल हैं, जो स्नातक करने के लिए आवश्यक हैं। कुल 64 क्रेडिट को दो भागों में विभाजित किया गया हैः क) पहले दो सेमेस्टर में कोर्स वर्क में 40 क्रेडिट पूरे करने की आवश्यकता होती है और ख) उद्योग आधारित परियोजना कार्य के लिए 24 क्रेडिट पूरा करने की आवश्यकता होती है जो एमटेक शोध निबंध की ओर ले जाती है।

सेमेस्टर–1

1. आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं ज्ञान प्रतिनिधित्व
2. मशीन लर्निंग
3. उन्नत डाटा संरचनाएं एवं एल्गोरिदम
4. गणीतीय फाउंडेशन
5. एआई एवं नैतिकता (सेमीनार कोर्स)

सेमेस्टर–2

1. डीप लर्निंग
2. डाटा एनालिटक्स एवं विजुलाईजेशन
3. ऐच्छिक–1
4. ऐच्छिक–2
5. ऐच्छिक–3

इलेक्टिवः

6. कम्प्युटर विजन
7. प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण
8. सूचना पुनर्प्राप्ति
9. डाटा माइनिंग
10. रोबोटिक्स
11. संभाव्य ग्राफिकल मॉडल
12. बिग डेटा एनालिटिक्स
13. सुदृढ़िकरण लर्निंग
14. उन्नत अनुकूलन

एम.टेक एआई एवं एमएल प्रबंधकारिणी समिति एवं कार्यक्रम सलाहकार समूहः

आईआईआईटी श्री सिटी की सीनेट में आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी मद्रास, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली आदि संस्थानों के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं आईबीएम, इंटेल, टीसीएस आदि जैसे प्रमुख संगठनों के उद्योग विशेषज्ञ शामिल हैं। सीनेट के विवरण के लिए http://www-iiits -ac-in/gkse/xousaZl/lhusV/ देखें।

कार्यक्रम सलाहकार समूह (पीएजी) संस्थान को पाठ्यक्रम तैयार करने और कार्यक्रम के प्रभावी वितरण का समर्थन करने में मदद करता है। एम.टेक एआई और एमएल के पीएजी में निम्नलिखित विशेषज्ञ शामिल हैं:

1. प्रो. बालारमन रविन्द्रन
   प्रोफेसर एवं प्रमुख, रोर्बट बॉस्च
   डाटा साईंस एवं एआई केंद्र, आईआईटीएम

2. डॉ. मनीष गुप्ता
   निदेशक
   गूगल रिसर्च

3. सुश्री शालिनी कपूर
   आईबीएम अध्येता एवं सीटीओ, एआई आईबीएम शोध

4. डॉ. वेकेंटेश सरनगन
   प्रधान वैज्ञानिक
   टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज

4.2.2 साइबर सुरक्षा में एम.टेक

इंटरनेट पर सूचना साझा करने की हालिया प्रगति ने संगठनों के लिए साइबर खतरे को बढ़ा दिया है। प्रणाली को बाहरी खतरों से सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा संबंधी परिष्कृत ज्ञान और उपकरणों की आवश्यकता होती है। दुनिया भर में और साथ ही भारत में भी कुशल साइबर सुरक्षा प्रोफेशनलों की अत्यधिक मांग है जो कि साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में अच्छी तरह से शिक्षित हों। इससे प्रेरणा लेते हुए, आईआईआईटी श्री सिटी ने परिणाम अपधारित शिक्षा (ओबीई) पर जोर देने के साथ–साथ साइबर सुरक्षा में विशेषीकृत द्विवर्षीय एम.टेक डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है। कार्यक्रम सलाहकार समूह में अर्न्स्ट एंड यंग, आईबीएम, केपीएमजी, टीसीएस, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन और डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) जैसे प्रतिष्ठित संगठनों/विश्वविद्यालयों में कार्य करने वाले साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ शामिल हैं। सलाहकार समूह उद्योग की प्रासंगिकता और स्नातक रोजगार योग्यता सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम का समय–समय पर संशोधन सुनिश्चित करता है। सूचना प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते, आईआईआईटी श्री सिटी पहले से ही साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता के साथ बी.टेक कार्यक्रम चला रहा है। इस प्रकार, साइबर सुरक्षा में एम.टेक कार्यक्रम आईआईआईटीएस के पारिस्थितिकी तंत्र को और बढ़ावा देगा और उद्योग के लिए अत्यधिक कुशल श्रमशक्ति का उत्पादन करेगा।

एम.टेक साइबर सुरक्षा पाठ्यचर्या

एमटेक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में कुल 64 क्रेडिट शामिल हैं, जो स्नातक करने के लिए आवश्यक हैं। कुल 64 क्रेडिट को दो भागों में विभाजित किया गया है: क) पहले दो सेमेस्टर में कोर्स वर्क में 40 क्रेडिट पूरे करने की आवश्यकता होती है और ख) उद्योग आधारित परियोजना कार्य के लिए 24 क्रेडिट पूरा करने की आवश्यकता होती है जो एमटेक शोध निबंध की ओर ले जाती है।

सेमेस्टर–1

1. साइबर सुरक्षा का परिचय
4. साफ्टवेयर सुरक्षा
5. साइबर सुरक्षा विनिमय (सेमिनार कोर्स)
2. साइबर सुरक्षा के लिए मशीन लर्निंग एप्लीकेशन
3. ऐच्छिक–1
4. ऐच्छिक–2
5. ऐच्छिक–3

सेमेस्टर–2

1. क्रिप्टोग्राफी

इलेक्टिवः

1. थ्रेट इंटेलीजेंस
2. मेलवेयर विश्लेषण एवं डिजिटल फोरेंसिक
3. साइबर भौतिक प्रणाली सुरक्षा
4. सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्किंग सुरक्षा
5. मोबाइल एवं वायरलैस सुरक्षा
6. ब्लॉकचैन प्रोद्धोगिकी

एम.टेक साइबर सुरक्षा प्रबंधकारिणी समिति एवं कार्यक्रम सलाहकार समूहः

आईआईआईटी श्री सिटी की सीनेट में आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी मद्रास, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली आदि संस्थानों के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं आईबीएम, इंटेल, टीसीएस आदि जैसे प्रमुख संगठनों के उद्योग विशेषज्ञ शामिल हैं। सीनेट के विवरण के लिए http://www-iiits -ac-in/gkse/xousaZl/lhusV/ देखें।

कार्यक्रम सलाहकार समूह (पीएजी) संस्थान के पाठ्यक्रम तैयार करने और कार्यक्रम के प्रभावी वितरण का समर्थन करने में मदद करता है। एम.टेक एआई और एमएल के पीएजी में निम्नलिखित विशेषज्ञ शामिल हैंः

1. श्री वी. आनंद कुमार
   निदेशक, प्रबंधित सुरक्षा सेवाएं, आईबीएम

2. प्रो. मुत्तुकृष्णन राजराजन
   निदेशक, साइबर सुरक्षा संस्थान, लंदन सिटी यूनिवर्सिटी

3. डॉ राजीव मुकुंदन
   सीटीओ साइबर सुरक्षा,
   टीसीएस

4. श्री शास्त्री कृष्ण पेंड्याला
   पार्टनर,
   अर्न्स्ट एंड यंग, हैदराबाद

5. श्री अखिलेश टुटेजा
   ग्लोबल साइबर सिक्योरिटी प्रैक्टिस को–लीडर,
   पार्टनर केपीएमजी

6. श्री विनायक गोडसे
   उपाध्यक्ष,
   भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई)

4.3 पीएच.डी.

आईआईआईटी श्रीसिटी का प्रायोजित परियोजनाओं और विद्वत प्रकाशनों के माध्यम से शोध प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण रूप से ध्यान देता है है। आईआईआईटी श्रीसिटी की परिकल्पना आईटी शिक्षा, शोध और विकास के लिए वैश्विक रूप से पहचानी जाने वाली संस्था बनना है। संस्थान में ऐसे प्रतिभाशाली संकाय सदस्यों को आकर्षित करने और उनको बनाए रखने पर विशेष बल दिया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण एवं शोध में पहचान बना सकें। आईआईआईटी श्रीसिटी के मौजूदा संकाय सदस्य उत्कृष्ट शिक्षण एवं शोध योग्यताओं के साथ भारत तथा विदेश के अग्रणी विश्वविद्यालयों से हैं। संस्थान निम्नलिखित पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है, जो कंप्यूटिंग के सभी क्षेत्रों पर केंद्रित हैः

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में पीएच.डी.
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में पीएच.डी.

संस्थान ने मानसून (जुलाई) 2019 से उद्योग और भारत सरकार की अनुसंधान प्रयोगशालाओं जैसे डीआरडीओ, इसरो आदि के कर्मचारियों के लिए अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम आरंभ किया है।

पीएच.डी पाठ्यचर्या

कार्यक्रम की अवधिः कार्यक्रम को पूरा करने की अधिकतम अवधि पूर्णकालिक उम्मीदवारों के लिए 6 वर्ष और अंशकालिक उम्मीदवारों के लिए 7 वर्ष है। पूर्णकालिक उम्मीदवारों को 4 वर्ष तक या थीसिस जमा करने की तिथि जो भी पहले हो, तक छात्रवृत्ति दी जाएगी।

डॉक्टरेट समितिः प्रत्येक डॉक्टरेट समिति में सदस्यों की निम्नलिखित संरचना शामिल होती है – अध्यक्ष,

अनुसंधान गाइड, सह–गाइड (यदि कोई हो), आंतरिक सदस्य (सीएसई), आंतरिक सदस्य (ईसीई), उद्योग सह–गाइड/उद्योग सदस्य, उद्योग से बाहर का सदस्य/अनुसंधान संस्थान।

पाठ्यक्रम कार्यः शोधार्थियों को डॉक्टरेट समिति द्वारा निर्धारित चार प्रासंगिक पाठ्यक्रम पूरा करना आवश्यक है।

उद्योग इंटर्नशिपः पूर्णकालिक श्रेणी के तहत पीएचडी छात्रों को पूरे पीएचडी कार्यक्रम के दौरान 4–6 महीने की अवधि के लिए शीर्ष स्तरीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अनुसंधान संगठनों में उद्योग इंटर्नशिप लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कार्यक्रम के मुख्य बिन्दुः

- उद्योग उन्मुख पीएच.डी कार्यक्रम
- उद्योगों में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप करने का अवसर
- पूर्णकालिक छात्रों के लिए वित्त पोषित पीएच.डी कार्यक्रम
- अंशकालिक पीएचडी छात्रों के लिए फलैक्सीबल एटेंटडेंस स्कीम
- अंशकालिक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए परिसर में रहने की कोई आवश्यकता नहीं है
- डॉक्टरेट समिति में उद्योग विशेषज्ञ को शामिल करना

4.4 शैक्षिक प्रदर्शन

सेमेस्टर	विषय	नामांकित विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण प्रतिशत
मानसून 2021	**यूजी 1 कोर्स**	यूजी1–337	325	97 प्रतिशत
	डिस्क्रीट स्टरक्चर एंड मेटिक्स एल्जेबरा कम्प्युटर प्रोग्रिमिंग			
	डिजिटल लॉजिक डिजाइन			
	कम्प्यूटर कार्यशाला का अवलोकन			
	अनिवार्य अंग्रेजी			
	मौसम परिवर्तन प्रभाव			
	मानव मूल्यों और नीति में स्थापना उर्जा और पर्यावरण			
	यूजी 2 कोर्स	यूजी2–298	284	95.3 प्रतिशत
	विषय उन्मुखी कार्यक्रम गणित–3 उन्नत डाटा संरचनाएं एवं एल्गोरिथम			
	डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली			
	कम्प्यूटर वास्तुकला सर्किट एवं नेटवर्क विश्लेषण नियंत्रक प्रणाली			
	एंबेडेड सिस्टम			
	व्यावसायिक संचार			
	यूजी–3 कोर्स			
	फुल स्टाक विकास 2 कम्पाईर डिजाईन कलाउड कम्प्यूटिंग साइबर सुरक्षा से परिचय नेचुरल लेंगवेज प्रोसेसिंग सूचना पुनर्प्राप्ति			
	एजेंट आधारित माडलिंग एवं सिमुलेशन			
	साईबर सुरक्षा प्रणाली का परिचय			
	डाटा खनन			
	कम्प्यूटर ग्राफिक्स और मल्टीमीडिया			
	क्रिप्टोग्राफी			

	डिजिटल इमेंज प्रोसेसिंग डाटा एनालिटिक्स से परिचय वायरलेस नेटवर्क्स डीप लर्निंग वीएलएसआई से परिचय डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग पेटर्न मान्यता वायरलेस संचान मइक्रोंप्रोसेसर एवं माइक्रकंटरोल्स इलेक्टरोनिक्स पेकेजिंग आईटी परियोजना प्रबंधन नवाचार एवं उद्यमिता उर्जा और पर्यावरण विज्ञान बयोइन्फोरमेटिक्स मौसम परिवर्तन और प्रभाव मानव मूल्यों की स्थापना विकास हेतु आईसीटी **यूजी–4 कोर्स** एजेंट आधारित माडलिंग एवं सिमुलेशन साइबर भौतिक प्रणाली सिद्धांत का परिचय संगणना	यूजी3–260 यूजी4–248	240 239	92.3 प्रतिशत 95.9 प्रतिशत
	प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण क्रिप्टोग्राफी डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग डाटा विश्लेषण से परिचस वायरलेस नेटवर्क डाटा साईंस हेतु पाइथन थ्रेट इंटेलिजेंस मइक्रोवेव इंजीनियरिंग और रडार सिसटम उन्नत वीएलएसआई वायरलेस संचार डिजिटल ट्विन्स अवधाराणाएं एवं अनुप्रयोग आईटी प्रोजेक्ट मेनेजमेंट नवाचार और उद्यमिता			

	उर्जा और पर्यावरण विज्ञान बायोइन्फ्रोमेटिक्स मौसम परिवर्तन और प्रभाव मानव मूल्यों की स्थापना विकास हेतु आईसीटी विविध समीकरण			

5. प्लेसमेंट और इंटर्नशिप
(ग्रीष्म इंटर्नशिप एवं सेमेस्टर लंबी परियोजना)

5.1 ग्रीष्म इंटर्नशिपः

आईआईआईटी श्री सिटी में छात्रों को ग्रीष्म के दौरान इंटर्नशिप करने के लिए अत्यधिक प्रोत्साहित किया जाता है, भले ही वे संस्थान में किसी भी वर्ष नामांकित हुए हों।

हालांकि, यह काफी आकांक्षात्मक लग सकता है कि हम अवर स्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों को भी इंटर्नशिप प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, हमारा मानना है कि संस्थान के माध्यम से छात्र द्वारा प्रथम वर्ष से औद्योगिक अनुभव प्राप्त करने से उसके उज्ज्वल कैरियर को शुरू करने में मदद मिलेगी। इसलिए, जैसे ही विद्यार्थी जुड़ते हैं, हम विद्यार्थीयों को वर्क फ्रॉम होम इंटर्नशिप प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हमें लगता है कि सीखने के हर एक पहलू को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए और उचित परिश्रम के साथ क्रियान्वित किया जाना चाहिए। आईआईआईटी श्रीसिटी में इंटर्नशिप एक मील का पत्थर है।

बेशक, हमारा ध्यान प्री–फाइनल वर्ष के छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप पूरी कराने पर है, क्योंकि इस बात की प्रबल संभावना होती है कि ये इंटर्नशिप प्री–प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) में परिवर्तित हो सकती हैं। प्लेसमेंट कार्यालय छात्रों को इंटर्नशिप प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास करता है जो कि निम्नलिखित हैः

- प्री–फाइनल वर्ष के छात्रों के लिए इंटर्नशिप के अवसर हेतु नियमित रूप से कंपनियों से संपर्क करना,
- देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घरेलू स्तर पर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं को साझा करना,
- परियोजनाओं के लिए कंपनियों की तलाश करना ताकि छात्र घर पर ही परियोजनाओं को पूरा कर सकें और इसे अपने रेज्यूमे में जोड़ सकें, और
- छात्रों को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय इंटर्नशिप के अवसरों से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को भारत और विदेशों में अकादमिक इंटर्नशिप करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। प्लेसमेंट कार्यालय भी छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करता है ताकि वे कई संभावनाओं के लिए आवेदन कर सकें।

माइक्रोसॉफ्ट, अमेजॅन, याहू, स्विगी, जेडएस एसोसिएट्स, बॉश, कॉमवॉल्ट आदि कुछ कंपनी हैं जहां हमारे विद्यार्थी वर्तमान में हाई एंड लीड परियोजनाओं में शामिल हैं।

5.2. सेमेस्टर–लंबी परियोजनाएं

सेमेस्टर–लंबी परियोजनाएं हमारे संस्थान के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है और हमने इस कार्यक्रम में नए पहलुओं को शामिल किया है ताकि विद्यार्थी इससे लाभान्वित हो सकें। इन परियोजनाओं से छात्रों को कम से कम दो तरह से लाभ होता हैः

1. जो छात्र अपनी ड्रीम जॉब की इच्छा रखते हैं, वे एक सेमेस्टर–लंबी परियोजना कार्यक्रम के लिए कंपनियों के साथ साइन–अप करते हैं, जिसे एक पूर्णकालिक पद में परिवर्तित करने का अवसर होता है।
2. अक्सर भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां विद्यार्थियों को उसी कंपनी में पूर्णकालिक पदों पर शामिल होने से पहले विद्यार्थियों को इंटर्न के रूप में शामिल होने का अवसर प्रदान करती हैं। इसलिए, विद्यार्थियों का छात्र से उनकी पूर्णकालिक भूमिकाओं में धीरे–धीरे परिवर्तन हो जाता है।

   इन परियोजनाओं के लिए छात्रों को आठ क्रेडिट मिलते हैं जिसके लिए हमारे द्वारा कठोर समीक्षा की जाती हैं। जिन छात्रों ने केवल सेमेस्टर–लंबी परियोजना का विकल्प चुना था, उनका मूल्यांकन दो बार उद्योग संरक्षक द्वारा और दो बार संस्थान के संकाय संरक्षक द्वारा किया जाएगा। दो संकाय सदस्यों की टीम अंतिम मूल्यांकन करती है, जिसमें आंतरिक संकाय संरक्षक शामिल होता है।

वर्ष 2022 में सेमेस्टर–लंबी परियोजनाओं के कुछ मुख्य बिन्दु निम्नलिखित हैंः

एसएलपी करने वाले विद्यार्थियों की संख्या	146
इंटर्नशिप की अवधि	4 से 6 माह
इंटर्नशिप के लिए स्टाइपेंड	25000 रू. से 1,20,000 रू.

5.3 कैंपस प्लेसमेंटः

एक निर्मित और चरणबद्ध प्रयास के माध्यम से पिछले वर्षों में बी.टेक प्लेसमेंट में काफी वद्धि हुई है। कैम्पस प्लेसमें अगस्त 2020 के पहले सप्ताह में आरंभ हुई और भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों ने सीएसई और ईसीई दोनों के छात्रों की भर्ती की। पाने वाली नौकरियों छात्रों के लिए इस रूप में काफी रोचक हैं कि ये उन्नति में वृद्धि करती हैं। शैक्षिक वर्ष 2020–21 में हमारे छात्रो द्वारा प्राप्त किया जाने वाल उच्चतम पैकेज 43 लाख रूपए प्रति वर्ष था। हमने 2021 बैच के लिए 96 प्रतिशत प्लेसमेंट प्राप्त की है। कुछ छात्रों ने सर्वोच्च कंपनियों में इंटरनेशनल नौकरियां भी प्राप्त की है। आईआईआईटीएस अधिकतर प्रोडेक्ट उन्मुखी कंपनियों को आकर्षित करना है और प्लेसमें के लिए आने वाली कंपनियों की विविधता छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करती है। एमएनसी जैसे कि माइक्रोसाफट, अमेजोन, रिलायस, अमेरिकन

एक्सप्रेस, बीएनवाई मेलन, इत्यादि तथा सेवा उन्मुखी कंपनियां जो प्रोडेक्ट संबंधी पदों के लिए भर्ती कर रही थी जैसे कि टीवीएस, आईबीएम, वर्टुसा, एलएंडटी इत्यादि तथा स्थापित स्टार्ट अपस जैसे कि स्प्रिंगएमएल, फलुटूरा, कोटूर इत्यादि ने हमारे छात्रों की भर्ती की है।

- किसी वर्ष में पात्र विद्यार्थियों की संख्या हेतु परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या आवश्यकता से अधिक है। इसलिए, यह छात्रों को उनकी रुचि की कंपनियों में जाने का विकल्प देती है। साथ ही विद्यार्थी बाजार में भर्ती करने वाली विभिन्न कंपनियों के संपर्क में भी आते हैं।
- आईआईआईटीटी श्रीसिटी के कैंपस प्लेसमेंट में जो कोस्ट टू द कंपनी (सीटीसी) पैकेज मिलता है वह देश के किसी भी प्रीमियम संस्थान के बराबर है। छात्रों को जो नौकरी मिलती हैं, वे उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं क्योंकि यह उनके करियर के विकास को बढ़ावा देती हैं।
- शैक्षणिक वर्ष 2021–2022 में आईआईआईटी श्रीसिटी के किसी विद्यार्थी को मिलने वाला अधिकतम घरेलू पैकेज 85 लाख प्रति वर्ष है।
- हमारे विद्यार्थियों को डराईनबॉक्स, टेकिओन, मेरकसेसार्डुस, लिमेचेट आदि जैसे गहन तकनीकी स्टार्टअप्स में भर्ती किया गया है।

प्लेसमेंट के लिए छात्रों की तैयारी

- संस्थान आने वाले वर्षों में एआई और एमएल, साइबर सुरक्षा, साइबर–भौतिक प्रणालियों और अधिक विशेषज्ञता क्षेत्र वाले क्षेत्रों में स्नातक विद्यार्थियों के लिए विशेषज्ञता प्रदान करेगा। इसके अलावा, हमारे छात्रों को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विजन, डेटा एनालिटिक्स, आईओटी, वायरलेस कम्युनिकेशन, स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन एवं अन्य, जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है।
- कैंपस में प्लेसमेंट के लिए कंपनियों के आने से पहले, विद्यार्थी एप्टीट्यूड और रीजनिंग, एडवांस्ड कम्युनिकेशंस स्किल्स और कॉम्पिटिटिव प्रोग्रामिंग जैसे पाठ्यक्रमों के साथ अपनी सॉफ्ट स्किल्स को निखारते हैं। उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों को पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने में आवश्यक स्तर पर लाने के लिए पहले दो वर्षों में चार पाठ्यक्रमों के एक सेट के रूप में संचार कौशल सिखाया जा रहा है।
- हम स्टार्टअप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विशेष दक्षताओं और कौशल वाले स्नातकों को विकसित करने पर भी जोर देते हैं। विभिन्न जॉब सैक्टर के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने के अलावा, आईआईआईटी श्रीसिटी विद्यार्थियों के लिए ऐसे पाठ्यक्रम भी तैयार करता है जो उद्यमशीलता और स्टार्टअप एवं लघु व्यवसाय प्रबंधन जैसे पाठ्यक्रमों के साथ अपनी खुद की कंपनियां शुरू करने के इच्छुक हैं, छात्र स्टार्टअप में पर्यावरण को भी समझते हैं (अपना खुद का निर्माण कैसे करें सीखने के अलावा)। इसके अलावा, विद्यार्थियों के अभिनव स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए, आईआईआईटीएस ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा प्रारंभिक वित्त पोषण के साथ ज्ञान सर्कल वेंचर्स नाम से प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर लॉन्च किया है।
- विशेषकर, हमारे छात्रों ने माइक्रोसाफ्ट, एमेजॉन, सिस्को, अमेरिकन एक्सप्रेस, बैंक ऑफ न्यूयार्क, आईबीएम, नेशनल इंस्ट्रूमेंट सहित कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सेमेस्टर–लंबी उद्योग इंटर्नशिप एवं नौकरियां हासिल की हैं।

- हमारे विद्यार्थियों की अन्य उपलब्धियां निम्नलिखित शामिल हैं:–
  - माइक्रोसॉफ्ट एआई चैलेंज में विजेता,, गूगल एंड्रॉइड हैकथॉन;
  - स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में रनर अप
  - एमडोक्स हैकाथन में शीर्ष 10 में स्थान
  - गूगल समर ऑफ कोड (जीएसओसी) में (छह छात्र) चयनित।

प्लेसमेंट के लिए संस्थान की तैयारी

- आईआईआईटी श्रीसिटी शोध के लिए उद्योग के साथ भी जुड़ा हुआ है और संस्थान नियमित रूप से उद्योग–उन्मुख पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए उद्योग से संकाय भी उपलब्ध करवाता है। संस्थान उद्योग पेशेवरों के साथ साझेदारी करके वर्ष में कई कार्यशालाओं का आयोजन करता है। ये गतिविधियाँ उद्योग–संस्थान संबंधों को और मजबूत करती हैं एवं विद्यार्थियों को उन कंपनियों में नियुक्त करने से संस्थान को लाभ होता है जिनसे संस्थान जुड़ा हुआ है।
- आईआईआईटी श्रीसिटी में, निदेशक के नेतृत्व में संकाय सदस्य समूह, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के साथ प्लेसमेंट और प्रशिक्षण के लिए एक संरचित और व्यवस्थित प्रयास किया जाता है। प्लेसमेंट संस्थान के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है और श्रमशक्ति के मामले में आवश्यक संसाधन पर्याप्त रूप से आवंटित किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, यहा प्लेसमेंट चेयर, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी और छात्र प्लेसमेंट समन्वयक मौजूद हैं।

आईआईआईटीटी श्रीसिटी का दौरा करने वाली कंपनियां

1. कैंपस प्लेसमेंट अगस्त 2021 के प्रथम सप्ताह में शुरू हुआ और भर्ती के लिए कैंपस में आने वाली कंपनियों ने न केवल सीएसई और ईसीई दोनों बैच के विद्यार्थियों को नियुक्त किया, (तालिका 2 में सूचीबद्ध) कंपनियां के अलावा इसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियां, सफल स्टार्टअप, कटिंग ऐज टैक्नोलॉजी, कंप्यूटर विज्ञान कंपनियां, और कोर ईसीई कंपनियां इत्यादि विभिन्न कंपनियां भी शामिल थी। हमारे कुछ बहुराष्ट्रीय भर्तीकर्ताओं ने कंसल्टिंग, ई–कॉमर्स, हाई–टेक, हॉस्पिटैलिटी और हेल्थ केयर से जुड़े उद्योगों का प्रतिनिधित्व किया।
2. आईआईआईटीएस अधिकतर उत्पाद–उन्मुख कंपनियों को आकर्षित करता है और प्लेसमेंट के लिए आने वाली कंपनियों की विविधता विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करती है। बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां, बड़ी सेवा–उन्मुख कंपनियां (केवल उत्पाद भूमिका पदों के लिए भर्ती), स्थापित स्टार्ट–अप, हाल के वर्षों के प्रोमाइंजिंग स्टार्टअप, कोर कंपनियां (ईसीई शाखा के लिए), इत्यादि, हाल के वर्षों में आईआईआईटीएस का दौरा करने वाली कंपनियों की श्रेणियां हैं।

6. छात्र विकास गतिविधियां (एसडीसी):

6.1 छात्र गतिविधियां

क. उन्नत भारत अभियान यूबीए ''स्वास्थ्य और स्वच्छता अभियान''
आईआईआईटीएस की यूबीए योजना के अंतर्गत अपनाए गए गांव अरूर गांव के छात्रों के लिए एक स्वास्थ और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्रों को भोजन करने से पहले और उसके पश्चात प्रतिदिन अपने हाथ धोने और प्रतिदिन एक्सरसाईस करने और खेलों के महत्व के बारे में एवं बीमारी से उनका बचाव करने के लिए अन्य स्वास्थय संबंधी आदतों के बारे में जागरूक बनाया गया। संतुलित आहार, सफाई तथा मौखिक एवं व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के बारे में एक विडियो स्क्रीनिंग भी की गई। बच्चों को उनकी दैनिक दिनचर्या बताने के लिए कहा गया और स्वच्छता के लिए उनके द्वारा अपनाए जाने वाले दैनिक कार्यों के बारे में सूचित करने के लिए भी कहा गया। बच्चों ने इस सत्र से काफी कुछ सीखा और उन्होंने सभी अच्छी आदतों का अनुसरण का आश्वासन दिया।

टूथपेस्ट, टूथब्रुश, हैंड वाश, कंघा, नेल कटर इत्यादि को शामिल करते हुए एक स्वच्छता संबंधी व्यक्तिगत किट गांव के सभी छात्रों और उनके अभिभावकों को प्रदान की गयी।

6.1.ख. महिला दिवस समारोह 'यूबीए और एनएसएस':

दिनांक 6 से 8 मार्च 2022 के दौरान हाईब्रिड मोड से महिला दिवस समारोह 2022 का आयोजन किया गया। इस इवेंट का विषय ''महिलाः समान भविष्य प्राप्त करना'' थी। पहले दिन प्राथमिक और माध्यमिक स्कूली गांवों के छात्रों जिन्हें यूबीए के तहत अपनाया गया था, परिसर में आए। हमने प्राथमिक छात्रों के लिए एक डराईंग और कविता प्रतियोगिता और माध्यमिक छात्रों के लिए पेंटिंग और प्रश्नमंत्र प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस इवेंट के पश्चात प्रेरक वक्ता श्रीमती ए. लता, डीजीएम, एसडीएससी, श्रीहरिकोटा द्वारा एक एक प्रेरणा वक्तव्य दिया गया। इवेंट का दूसरा दिन प्रख्यात महिला वक्ताओं की तकनीकी वार्ता पर आधारित था इन वक्ताओं में डॉ. शिवानी गुप्ता, डाटा वैज्ञानिक, रिलायंस जिओ और सुश्री शिल्पा राव, हेड एआई प्रोडेक्ट टीसीएस तथा सुश्री लक्ष्मी नायर, मेनेजिंग प्रिंसिपल, एपीएसी सिन्पोसिस ऑन एआई, डाटा साईंस और साइब्र सुरक्षा शामिल थे। सुचित्रा कामत, प्रबंधक एएसपीईएन नेटवर्क ने उद्यमिता के बारे में वक्तव्य दिया और प्रोफेसर श्यामा रमानी, व्यावसायिक फैला, यूनाइटिड नेशनल यूनिवर्सिटी ने सामाजिक सेवा अवसरों के बारे में बताया। 8 मार्च को सुश्रभ माल्याज वरमानी, वीपी, इन्वेस्ट इंडिया ने बढ़ती हुई भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में अपने विचार व्यक्त किए और सुश्री अनु आचार्या, सीईओ, मेपमाईजिओम ने इन दिनों महिलाओं के लिए बायोटेक्नोलोजी के क्षेत्र में उपलब्ध नौकरियों की संभावनाओं की प्रचुरता के बारे में बताया।

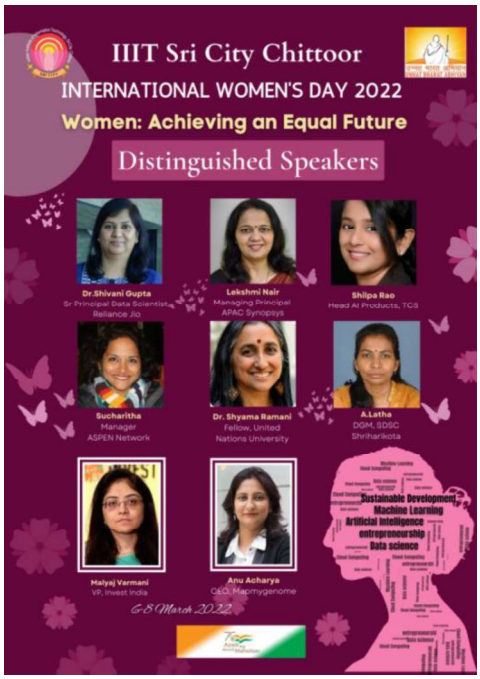

8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों के समारोह का दिन होता है जो जेंडर समानता की प्रगति और मांग के बारे में होता है। सौ से अधिक वर्षों से इंटरनेश्नल महिला दिवस उन सभी से संबंधित है जो यह विश्वास करते हैं कि महिलाओं का समान अधिकार है। महिला दिवस के अवसर पर आईआईआईटी श्रीसिटी यूबीए और एनएसएस ने अपनाए गए गांवों की छात्राओं के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। अपनाए गए गांवों की लगभग 50 छात्राओं ने इवेंट में भाग लिया और इन गतिविधियों में अपनी प्रतिभाओं को उजागर किया। ये गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

1. प्राथमिक स्कूल के छात्रों के लिए ड्राईंग और कविता प्रतियोगिता
2. माध्यमिक स्कूल के छात्रों के लिए महिला दिवस पर पेंटिंग और प्रश्न मंच

इवेंट के दौरान सभी विजेताओं को पुरस्कार और लंच दिया गया।

6.1.ग. 400वां प्रकाश पर्व समारोह 'ईबीएसबी'

गुरू तेग बहादुर दस सिख गुरूओं मे से नौंवे थे जिनका जन्म अप्रैल 1621 को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उनकी जन्म जयंती को गुरू तेग बहादुर जयंती और प्रकाश पर्व के रूप में भी जाना जाता है। इस वर्ष 400वां प्रकाश पर्व मनाया गया। उच्चतर शिक्षा मंत्रालय, ईबीएसबी प्रकोष्ठ से श्री गुरू तेग बहादुर जी के 400 वें प्रकाश पर्व समारोह के आयोजन के संबंध में दिशानिर्देश प्राप्त होने के पश्चात आईआईआईटी श्री सिटी के ईबीएसबी कलब द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का अयोजन किया गया:

1. सभी छात्रों के लिए श्री गुरू तेग बहादुर जी के जीवन पर प्रस्ताव प्रतियोगिता
2. प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा लिखी गई श्री गुरू तेग बहादुर जी की जीवनी को एक वेब लिंक के माध्यम से सभी छात्रों के साथ साझा किया गया।

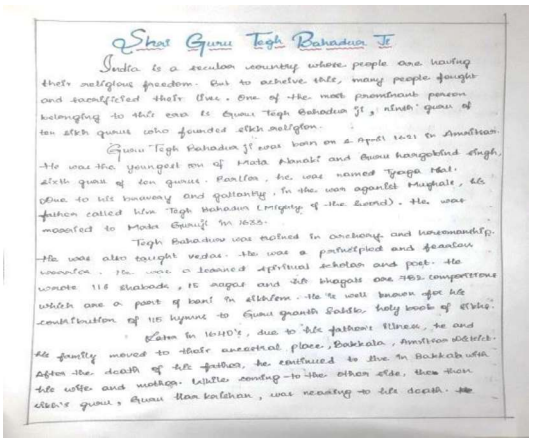

Shri Guru Tegh Bahadur Ji

India is a secular country where people are having their religious freedom. But to achieve this, many people fought and sacrificed their lives. One of the most prominent person belonging to this era is Guru Tegh Bahadur ji, ninth guru of ten sikh gurus who founded sikh religion.

Guru Tegh Bahadur ji was born on 1 April 1621 in Amritsar. He was the youngest son of Mata Nanaki and Guru hargobind singh, sixth guru of ten gurus. Earlier, he was named Tyaga Mal. Due to his bravery and gallantry, in the war against Mughals, his father called him Tegh Bahadur (Mighty of the sword). He was married to Mata Gujri ji in 1633.

Tegh Bahadur was trained in archery and horsemanship. He was also taught vedas. He was a principled and fearless warrior. He was a learned spiritual scholar and poet. He wrote 116 shabads, 15 ragas and his bhagats are 782 compositions which are a part of bani in sikhism. He is well known for his contribution of 115 hymns to Guru granth Sahib, holy book of sikhs.

Later in 1640's, due to his father's illness, he and his family moved to their ancestral place, Bakkala, Amritsar district. After the death of his father, he continued to live in Bakkala with his wife and mother. While coming to the other side, then then sikh's guru, Guru Har krishan, was nearing to his death. He

He was asked by his disciples, to tell them his successor. Then Guru Har krishan told that 'Bakkala Baba' would be his successor.

Knowing this, Many people started to wear the disguise of Bakkala Baba, which became for his disciples to find the original one. When 'Baba Makhan Shah Labana' was in trouble, he prayed to Guru Harkrishan that he would pay him 500 gold coins, if he would get out of his trouble. His problem was solved and when he came to Guru Harkrishan, he was dead and He came to know that successor is in Bakkala. He, then gave each baba 2 gold coins, everyone are pleased and blessed him. But when it came to Tegh Bahadur ji, he asked the remaining 498 gold coins. In this way, Baba Makhan Shah Labana found out the true guru. After the 'Tikka Ceremony', Tegh Bahadur ji became the guru of the sikhs and he headed sikhs from 1665 to 1675.

He went to many places in promoting sikhism. He was the founder of Patiala and Anandpur Sahib, which is located at foot of himalayas. He fought for religious freedom of hindus in kashmir from the oppressive reign of Mughals. Mughals wanted to convert everyone into Islam, which was strictly opposed by him. His principle was that every person should have their own right to choose their own religion. His principles gained him popularity among people of all religions and many of them are attracted to sikhism due to his principles.

6.1.घ. मातृभाषा दिवस 'एनएसएस और ईबीएसबी'

मातृभाषा संचार, भाषा के साधन से कहीं अधिक होती है विशेषकर हमारी मातृभाषा हमारी संस्कृति का अनिवार्य घटक है। प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को यूनेस्को मातृभाषा के प्रसार और संवर्धन के लिए और विश्व में भाषायी और सांस्कृतिक परंपरा के अधिक जागरूकता पैदा करने और समझ, सहनशीलता और विचार विमर्शों के आधार को प्रोत्साहित करने के लिए इंटरनेशनल मातृभाषा दिवस का अयोजन करता है। शिक्षा मंत्रालय लोगों को मातृभाषा के ''ज्ञान कि सृजन'' में बढ़ावा देने, अन्य भाषाओं से मातृभाषा में अनुवाद को प्रोत्साहित और मातृभाषा से अन्य भाषाओं में अनुवाद को प्रोत्साहित करने के लिए विशेषकर अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को मातृभाषा में संचार कौशल और दक्षता प्रदान करते हुए राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए मातृभाषा और अन्य भारतीय भाषाओं के बेहतर प्रयोग की आवश्यकता के लिए संवेदी बनाने के उद्देश्य से भारत भर में मातृभाषा दिवस का आयोजन कर रहा है। आईआईआईटी श्रीसिटी की एनएसएस सेल और ईबीएसबी कलब ने निम्नलिखित इवेंटों के साथ आईआईआईटी श्रीसिटी के परिसर में भाषा उत्सव का आयोजन किया:

1. प्रस्ताव लेखन: भारत में भाषाओं के संबंध में
2. शिक्षा: छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषाओं के बारे में वक्तव्य देंगे
3. क्षेत्रीय भाषाओं में गायन

मातृभाषा दिवस पर भारत के 10 विभिन्न राज्यों के छात्रों ने अपनी क्षेत्रीय भाषाओं के बारे में बोला। प्रो. जी. कन्नाबिरन निदेशक, आईआईआईटी श्रीसिटी ने इवेंट में भाग लिया और इवेंट में भाग लेने के लिए सभी भागीदारों की सराहना की।

6.1.घ. स्वच्छता ही सेवा अभियान 2021–22

प्रधान मंत्री जी ने प्रमुख कार्यक्रम ''स्वच्छ भारत मिशन'' की शताब्दी के आयोजन के लिए 14 सितंबर से 2 अक्तूबर तक ''स्वच्छता ही सेवा'' नामक एक अप्रत्याशित अभियान का आह्वाहन किया। ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के लिए लोगों को ''जन आंदोलन'' हेतु जुटाते हुए स्वच्छ भारत के ''महात्मा गांधी'' के स्वपन को पूरा करना है। वर्ष 2019 से आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर एनएसएस प्रकोष्ठ प्रत्येक वर्ष आईआईआईटी परिसर में ''स्वच्छता ही सेवा अभियान'' का आयोजन करता है तथा संस्थान द्वारा अपनाए गए गांवों में इस अभियान का आयोजन करता है। लगभग 200 एनएसएस स्वयंसेवकों ने इस अभियान में भाग लिया और प्लास्टिक अपशिष्ट को उठाते हुए परिसर की सफाई की। स्वयंसेवकों ने परिसर को साफ रखने के लिए रोकथाम उपाय के रूप में रास्तें में डस्टबिन रखे। एनएसएस आईआईआईटी श्रीसिटी द्वारा शपथ ग्रहण समारोह, प्रश्नमंच, पेंटिंग और पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

6.2 शारीरिक शिक्षा और खेल गतिविधियां

6.2. क. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021–22:

अपनाए गए गावों (यूबीए एवं एनएसएस) के स्कूली विद्यार्थियों के लिए बुनियादी कम्प्युटर कौशल कार्यशाला

मार्च 2020 में देशव्यापी लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद होने की वजह से बच्चों को लंबे समय तक औपचारिक शिक्षा से वंचित रखा गया था। ई–शिक्षा पर परिणामी वार्ता ने भारत की डिजिटल सीमा को उजागर किया, जिसमें केवल 24 प्रतिशत घरों मे हीं इंटरनेट की पहुंच थी। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को विशेष रूप से मुश्किलों का सामना करना पड़ा, हाल ही के अध्ययन से पता चला है कि ऐसे सरकारी स्कूल के छात्रों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक है।

सरकार ने अकादमिक कैलेंडर में किसी भी तरह के व्यवधान से बचने के लिए स्टॉप–गैप व्यवस्था के रूप में ऑनलाइन लर्निंग की ओर बढ़ने की सिफारिश की है। अब प्रौद्योगिकी और ई–लर्निंग शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने का तरीका है। इसका एक सकारात्मक परिवर्तन दिख रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल एवं महाविद्यालय दिन–प्रति–दिन प्रौद्योगिकी को अपना रहे हैं। यह हमें प्रेरित करता है कि टियर III और ग्रामीण क्षेत्र भी पारंपरिक शिक्षा को डिजिटल रूप से उन्नत प्रक्रिया में बदलने के लिए आगे आ रहे हैं।

यद्यपि, ऑनलाइन लर्निंग के कई गुना लाभ हैं, किन्तु शिक्षा को पूरी तरह से डिजिटल (ऑनलाइन) बनाने की दिशा में अभी भी कई बाधाएं हैं। जब ऑनलाइन शिक्षा या ई–लर्निंग की बात आती है, तो हमें ध्यान में आता है कि ग्रामीण आबादी अभी भी तेज इंटरनेट, निर्बाध बिजली आपूर्ति और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से पूरी तरह सुसज्जित नहीं है। बुनियादी ढांचागत सुविधाओं में सुधार हुआ है लेकिन भारत के कई ग्रामीण क्षेत्र अभी भी शिक्षा को पूरी तरह से डिजिटल या ऑनलाइन बनाने के लिए इन चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

कुछ प्रमुख चुनौतियाँ जिन्हें इस संदर्भ में सूचीबद्ध किया जा सकता है, निम्नलिखित हैं:

डिजिटल साक्षरता एवं अवसंरचनात्मक सहयोग

ये प्रमुख बाधाएं हैं जो भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन शिक्षा को सुगम बनाने के रास्ते में बाधा डालती हैं। हालांकि, देश में दूरदराज के इलाकों में बिजली और नेटवर्क की बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हुआ है, फिर भी इसमें सुधार की गुंजाइश है। गांवों में शिक्षक और छात्र सीखने के डिजिटल साधनों के प्रति अधिक रूख कर रहे हैं, लेकिन वहां की ढांचागत सुविधाएं इस तरह से विकसित नहीं हुई हैं, जो कि ऑनलाइन लर्निंग के लिए आवश्यक हैं। बिजली का सतत प्रवाह और हाई स्पीड इंटरनेट की कमी अभी भी ग्रामीण आबादी के लिए बड़ी समस्या है।

तकनीकी उपकरणों की सीमित उपलब्धता

जबकि हम डिजिटल लर्निंग के क्षेत्र को देखते हैं, तो डिजिटल सामग्री तक पहुंचने के लिए प्रत्येक छात्र के लिए सही उपकरणों की उपलब्धता पर विचार करना अनिवार्य है। ग्रामीण भारत में बहुत से लोगों के पास निजी लैपटॉप या कंप्यूटर नहीं है और मोबाइल फोन लंबे समय तक लर्निंग के लिए अनुकूल नहीं हैं। साथ ही, डेटा पैक और उनका मूल्य शिक्षकों और शिक्षार्थियों दोनों के लिए, विशेष रूप से लाइव कक्षाओं में एक बड़ी बाधा हो सकती है। कई छात्रों के पास या तो निजी लैपटॉप/स्मार्टफोन नहीं होते हैं या वे सीमित समय के लिए उपलब्ध होते हैं। इसलिए, तकनीकी उपकरणों की सीमित उपलब्धता के साथ सीखना सीमित हो जाता है।

डिजिटल तकनीक की जानकारी न होना

यद्यपि, स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लर्निंग ने पहले ही शहरी शैक्षिक व्यवस्था में एक रास्ता बना लिया है, किन्तु अभी भी कुछ ग्रामीण देश पारंपरिक शिक्षण विधियों पर निर्भर हैं। इसलिए, पारंपरिक शैक्षणिक विधियों से डिजिटल में स्थानांतरण रातोंरात नहीं हो सकता। शिक्षकों के साथ–साथ छात्रों को डिजिटल तकनीक से परिचित कराने के लिए उचित प्रशिक्षण और अधिक यूजर फ्रेंडली प्लेटफार्म की आवश्यकता होती है ताकि वे उनका उपयोग करके शिक्षण/अधिगम में सहज हो सकें।

उपरोक्त समस्याओं को दूर करने और ग्रामीण स्कूली छात्रों की शिक्षा को प्रौद्योगिकी से जोड़ने में मदद करने के लिए, आईआईआईटी श्री सिटी ने 26 जनवरी 2021 को एनएसएस और यूबीए सेल के माध्यम से बुनियादी कंप्यूटर कौशल कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला के दौरान स्कूली छात्रों को विभिन्न शिक्षण ऐप, ऑनलाइन कक्षाओं और ई–लर्निंग के माध्यम से सीखने के लिए संस्थान की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करावाई गई। छात्र के अनुभव के लिए उन्हें व्यक्तिगत कंप्यूटर प्रदान किए गए और विशेषज्ञों ने छात्रों को शिक्षा के उद्देश्य से स्मार्टफोन का उपयोग करने के लिए भी प्रशिक्षित किया।

कार्यशाला के बारे में

कार्यशाला में विभिन्न गांवों के कुल 40 छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को लर्निंग ऐप्स और ई–एजुकेशन के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों को प्रशिक्षण के साथ–साथ उपयोग करने के लिए व्यक्तिगत सिस्टम दिया गया। कंप्यूटर टूल्स जैसे माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, इंटरनेट आदि पर विभिन्न व्याख्यानों की व्यवस्था की गई। छात्रों को कंप्यूटर के हिस्सों को समझने के लिए बुनियादी हार्डवेयर जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यशाला का परिणाम जानने के लिए कार्यशाला के अंत में एक लघु प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। इस क्विज में सभी विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। लड़कियों और लड़कों में शीर्ष तीन पर आने वाले विद्यार्थियों को उपहार देकर पुरस्कृत किया गया।

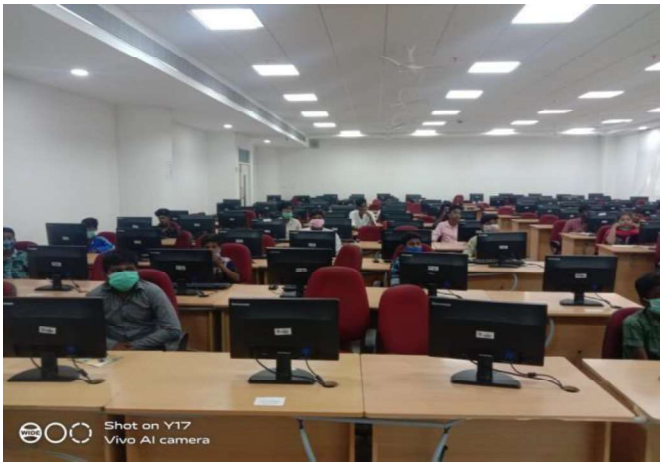

6.2 कोविड–19 मास्क एवं सेनेटाईजर जागरूकता अभियान (यूबीए)

आईआईआईटी श्री सिटी ने यूबीए और एनएसएस सरकारी योजना के तहत पांच गांवों को अपनाया गया है। आईआईआईटी ने इन गांवों और ग्रामीणों के जीवन कौशल के विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कोविड–19 की महामारी के दौरान यूबीए और एनएसएस सेल के सदस्यों एवं समन्वयकों ने टोंदुर गांव (अपनाए गए गांव में से एक) का दौरा किया और गांव के युवाओं और कामकाजी महिलाओं को मास्क और हैंड सैनिटाइजर वितरित किए। गतिविधि का मुख्य उद्देश्य काम के दौरान मास्क पहनने और हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करने के बारे में जागरूकता पैदा करना था। गांव के युवाओं में जागरूकता पैदा की गई ताकि युवाओं के माध्यम से पूरे गांव में जागरूकता पहुंचाई जा सके। श्री सिटी में विभिन्न कंपनियों में काम करने वाली गांव की कामकाजी महिलाएं हैंड सैनिटाइजर खरीदने के लिए नियमित रूप से बाजार नहीं जा पाती। आईआईआईटी श्री सिटी ने हैंड सैनिटाइजर प्रदान किए जो काम के दौरान उनके काम आ सकें।

आईआईआईटी श्री सिटी के प्रतिनिधि लोंगो को बताते हुए कि की कैसे हम मास्क पहनकर, सैनिटाइजर का उपयोग करके और एक दूसरे से 6 फीट की दूरी बनाकर कोविड 19 को हरा सकते हैं।

6.3 राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा मार्च 2021

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के विस्तृत पत्र और दिशानिर्देशों के अनुसार, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर की एनएसएस सेल ने परिसर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2021 मनाया। इन दिनों के दौरान सुरक्षित ड्राइविंग और यातायात नियमों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई गई। विस्तृत गतिविधियों का उल्लेख नीचे दिया गया है:

1. **आईआईआईटीएस के कर्मचारियों के लिए मूलभूत जीवन रक्षक प्रषिक्षणः—**आईआईआईटीएस के कर्मचारियों ने मूलभूत जीवन रक्षक कैंप में भाग लिया और कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) सीखा। यह प्रशिक्षण छोटी या बड़ी दुर्घटना होने पर लोगों की जान बचाने में मदद करता है।

2. **परिसर और सड़कों पर सड़क सुरक्षा बैनर प्रदर्शित करनाः** परिसर में और शहर की मुख्य सड़क पर सुरक्षा जानकारी के साथ एक सड़क सुरक्षा बैनर प्रदर्शित किया गया

3. **स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिताः** आईआईआईटी परिसर में निजी और सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए *'सड़क सुरक्षा जागरूकता'* विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

   प्रतियोगिता में 100 स्कूली छात्रों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और अपने चित्रों के साथ सड़क सुरक्षा का संदेश दिया, जिन्हे पूरे परिसर में प्रदर्शित किया गया।

4. **सड़क सुरक्षा पर कार्यशालाः** कार्यशाला के दौरान सड़क सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा विभिन्न सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर चर्चा की गयी।

5. **सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानः** श्री सिटी हाईटेक पुलिस एवं सुरक्षा के सहयोग से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जो लोग हेलमेट नहीं पहने हुए थे, सीट बेल्ट नहीं लगा रखी थी या वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात कर रहे थे, उन्हें रोक कर उनकी लापरवाही के कारण होने वाले खतरे के बारे में जानकारी दी गई। उनके परिवार के लिए एक बधाई फूल और चॉकलेट एवं उन्हें एक सुरक्षा नोट दिया गया।

6.4 कोरोना प्रोटोकॉल के साथ 74वां स्वतंत्रता दिवस

भारत का स्वतंत्रता दिवस देश के नागरिकों को उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों की याद दिलाता है जिन्होंने देश के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अपना बलिदान दिया था। आजादी के बाद से, भारत ने शिक्षा, सैन्य और अंतरिक्ष कार्यक्रमों सहित हर क्षेत्र में शानदार प्रगति की है। देश भर के नागरिक 15 अगस्त, 2020 को देश का 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाकर ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता का जश्न मनाएंगे। कोरोनावायरस महामारी के चलते कोई सामाजिक सभा नहीं होगी, इसके बजाय, सभी राज्यों और सरकारी कार्यालयों को अपने कार्यक्रमों एवं समारोहों को वेबकास्ट करने के लिए कहा गया है। यहां तक कि लाल किले पर जहां हर स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराया जाता है, वहां लोगों की संख्या सीमित होगी। सावधानियों का ध्यान रखते हुए सैन्य बैंड के साथ कोई भव्य प्रदर्शन नहीं होगा। आदर्श रूप में, देश भर के नागरिक देशभक्ति के गीतों पर गाते और नृत्य करते हैं, तिरंगा झंडा फहराते हैं और भारत के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद करते हुए उत्साहपूर्वक कविताएँ सुनाते हैं।

भारत सरकार निदेशालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर ने दिशानिर्देशों के अनुसार भारत का 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। इवेंट का विवरण नीचे दिया गया है:

1	संस्थान के निदेशक द्वारा ध्वजारोहण	सुबह 08:00 बजे
2	राष्ट्रगान	सुबह 08:00 बजे
3	संस्थान के निदेशक द्वारा स्वतंत्रता दिवस संदेश	सुबह 08:05 बजे
4	उपस्थित संकाय/कर्मचारियों को चॉकलेट या मिठाई का वितरण	
5	डिस्पर्सल	

6.5 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2020

14 जून 2021 से 21 जून 2021 तक शांति और सद्भाव के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग एक खुशी का अभ्यास है जिसे प्रतिदिन करने की आवश्यकता है।

आईआईआईटी श्रीसिटी ऑनलाईन प्लेटफार्म के जरिए इवेंट का आयोजन करने में प्रफुल्लित रहा है क्योंकि कोविड 19 महामारी के दौरान योग ''उम्मीद की किरण'' तथा आंतरिक महबूती के रूप में रहा है। इस वर्ष के आईडीवाई के विषय ''**योगा फॉर वेल''** ने **''योगा/बि एट होम''**
ने निम्नलिखित गतिविधियों के साथ जागरूकता का प्रसार किया।

1. संकाय/कर्मचारियों/छात्रों को घर से योग करने के लिए प्रेरित किया गया जिसे 21 जून 2021 को प्रातः 7 बजे से प्रातः 7:45 तक निष्पादित किया गया।
2. लोगो डिजाईनिंग प्रतियोगिता
3. आईडीवाई थीम पर ई पोस्टर बनाना
4. ''योगा और कोविड 19'' पर प्रस्ताव लेखन
5. ऑनलाईन योग प्रशिक्षण सत्र
6. ऑनलाईन योग जागरूकता प्रश्नमंच

इस वर्ष की थी के ससाथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आईआईआईटी श्रीसिटी के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ पूरे दिल से भाग लिया और अपनी तस्वीरें और विडियो साझा की। इन विडियो की मुख्य झलकियां ध्यान, त्रिकोणासन, शलभासन और संकाय सदस्यों के बच्चों की भागीदारी थी।

समान योग प्रोटोकॉल लिंकस को सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के साझा किया जिसे निदेर्शो के लिए मंत्रालय द्वारा साझा किया गया था।

फिट इंडिया मूवमेंट लोगों को दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधियों और खेलों में शामिल करते हुए स्वस्थ और फिट रहने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक राष्ट्रवार आंदोलन है। फिट इंडिया मूवमेंट का शुभारंभ दिनांक 29 अगस्त 2019 को नई दिल्ली में इंदिरा गांधी स्टेडियम में भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर खेलों के जरिए स्वास्थ्य और फिटनेस का संवर्धन करने और छात्रों में समग्र विकास का आकलन करने के लिए आईआईआईटी परिसर में ''फिट इंडिया अभियान'' का आयोजन किया। अभियान के दौरान निम्नलिखित खेलों का आयोजन किया गयाः

1. बॉसकेटबाल
2. वॉलीवाल
3. फुटबॉल
4. क्रिकेट
5. थ्रो बॉल
6. शतरंज

आईआईआईटी श्रीसिटी के कुल 200 छात्रों ने फिट इंडिया अभियान में भाग लिया। प्रो. जी. कन्नाबिरन, निदेशक, आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर द्वारा सभी विजेताओं और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को पदक और ट्रॉफियां प्रदान की गयीं।

इम्पेक्ट

संस्थान से स्नातक होने वाले छात्रों का प्रत्येक बैच अच्छी नौकरी और उच्चाध्ययन के अवसर तलाशेगा यह एक संतोषजनक क्षण होगा जबकि परिसर को छोड़ते हुए सभी स्नातक छात्र उस उपलब्धि को हासिल कर सकें जिनकी वह आशा रखते हैं।

यद्यपि समग्र तैयारी क्रमशः बेहतर है, संस्थान द्वारा यह प्रदर्शित किया जाना अभी बाकी है कि छात्र कुछ सर्वोच्च आईआईआईटी के मुकाबले अच्छी नौकरियों प्राप्त कर पाएंगे। व्यैक्तिक स्तर पर महबूती और सुधार के क्षेत्रों पर एक चरणबद्व दृष्टिकोण से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। यह मुख्यतः लक्षित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कैरियर दिशानिर्देशों के लिए वैयक्तिक मेंटरिंग पर ध्यान केन्द्रित करता है।

सौभाग्यवश, हमारे यहां उत्कृष्ट संकाय सदस्य हैं जिन्होंने अग्रणी विशवविद्यालयों से अपनी शिक्षा प्राप्त की

है और उनमें से कुछ का महत्वपूर्ण उद्योग अनुभव है। किसी अन्य तुलनीय संस्थान के पास यह अनन्य लाभ नहीं है जिसको शिक्षण–अधिगम और शोध में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। वे नौकरियों और उच्च अध्ययन से सफलता को संकाय के रूप में उनकी भूमिका का अभिन्न अंग मानते हैं।

आईआईआईटी श्रीसिटी यह घोषणा करते हुए प्रसन्न है कि संकाय सदस्यों ने एक नए मेंटरशिप कार्यक्रम **इम्पेक्ट** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी है। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों के एक समूह को व्यापक दिशानिर्देशों के लिए प्रत्येक संकाय को सौंपा जाता है। वे छात्रों को दिशानिर्देश प्रदान करेंगे और छात्रों में आवश्यक कौशल को विकसित करने में सहायता प्रदान करेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके कैरियर के लक्ष्य हासिल हों।

इम्पेक्ट एक सेमी–स्ट्रक्चर्ड कार्यक्रम है। यह लक्ष्यों को निर्धारित करने, प्रगति को ट्रैक करने और प्रत्येक छात्र के लिए अंतिम परिणाम प्राप्त करने के लिए निर्मित किया गया है। प्रत्येक संकाय सदस्य प्रभाविता को हासिल करने के लिए विविध औपचारि–सह–अनौपचारिक दृष्टिकोण अपना सकता है।

संकाय सदस्य यह सुनिश्चित करते हुए साप्ताहिक आधार पर छात्रों के साथ नियमित संपर्क करेंगे कि इम्पेक्ट कार्यक्रम सफल हो और छात्रों की उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता की जा सके।

इम्पेक्ट का लक्ष्य एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालना है ताकि परिवर्तनकारी परिणाम प्राप्त हो सकें। विश्व में कई बड़ी चीजें एक छोटे तरीके से आरंभ की जा सकती हैं। हर व्यक्ति को बड़ी चीजें प्राप्त करते के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए जो संस्थान की अधिक उंचाईयों तक ले जाएगा।

फैवराईट 25

स्लो लर्नरों के लिए सहायता

संस्थान का शिक्षण–अधिगम की गुणवत्ता में सुधार करने पर अत्यधिक जोर है ताकि छात्रों के लिए प्लेसमेंट और उच्च अध्ययन के मूल्यवान अवसर पैदा किए जा सकें। तथापि, सामाजिक–आर्थिक और ग्रामीण पृष्ठभूमि के कारण पहले वर्ष के छात्रों का एक वर्ग बाकी कक्षा के साथ नहीं चल पाता है। ऐसे छात्रों की सहायता करने के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं। पहला ऐसे छात्र जिनका कक्षा के निचले 25 प्रतिशत में निरंतर मूल्यांकन रहता है, उनकी पहचान की जाती है। ऐसे छात्रों की "फेवाराइट 25" नामक एक कार्यक्रम के माध्यम से परामर्श और सहायता की जाती है। संकाय सदस्य, छात्र, कर्मचारी और अन्य इन छात्रों की उनकी प्रदर्सन में सुधार हेतु स्वयंसेवी रूप से प्रयास करते हैं। इसके अतिरिक्त, सेमेस्टर की परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों की सहायता के लिए फॉरमेटिव एसेसमेंट (एफए) आरंभ किया गया है। एफए के अंतर्गत छात्रों को अतिरिक्त कक्षाएं और परामर्श दिया जाता है तथा वे अगले सेमेस्टर आरंभ होने से पहले सभी निरंतर मूल्यांकन और अंतिम परीक्षा को पूरा करते हुए विषयों को उत्तीर्ण करते है। यह छात्रों की सक्षमता के अपेक्षित स्तर प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है जिससे वे वर्ष को ड्राप किए बगैर प्रौन्नत पाठ्यक्रम लेने हेतु पूरी तरह से तैयार हो जाते हैं।

7. लोग/मानव संसाधन

7.1 संकायः

वर्तमान और भविष्य की भूगोलीय–सामाजिक–आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हम विश्व स्तरीय संकाय की भर्ती पर अत्यधिक जोर देते है जो कि शिक्षण एवं शोध क्षेत्रों में मजबूत हों।

सभी संकाय सदस्य पोस्ट–डॉक्टोरल के न्यूनतम तीन वर्ष के अनुभव के साथ विश्व की महत्वपूर्ण संस्थाओं से पीएचडी धारी है और लगभग सभी का वैश्विक अनुभव है। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों तथा सम्मेलन की कार्यवाहियों में लेख प्रकाशित किए हैं तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर विभिन्न कार्यशालाओं में भाग लिया/आयोजन किया है।

क्र. सं.	नाम	पदनाम	क्षेत्र
1.	प्रो. जी. कन्नाबिरन	निदेशक	सीएसई
2.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाथ	एसोसिएट प्रोफ़ेसर	सीएसई
3.	डॉ. विश्वनाथ पुलबाईगिरी	एसोसिएट प्रोफ़ेसर	सीएसई
4.	डॉ. बालाजी रमण	एसोसिएट प्रोफ़ेसर	सीएसई
5.	डॉ. शिव राम दुबे	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	सीएसई
6.	डॉ. ओडेलु वांगा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	सीएसई
7.	डॉ. मृणमय घोराय	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
8.	डॉ. नेहा अग्रवाल	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
9.	डॉ. पीयुष जोशी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
10.	डॉ. पी वी अरूण	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
11.	डॉ. निखिल त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
12.	डॉ. अरिजीत रॉय	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
13.	डॉ. हीमांगशु शर्मा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
14.	डॉ. बालसुब्रमण्यम कंदस्वामी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
15.	डॉ. श्रीजा एसआर	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
16.	डा. अन्नुश्री बवलानी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
17.	डॉ. भीमप्पा हलावर	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
18.	डॉ. शथना	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
19.	डॉ. अमित प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
20.	डॉ. राकेश कुमार सनोदिया	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
21.	डॉ. बी. कृष्णा प्रिया	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
22.	डॉ. प्रियम्बदा सुबुद्धि	सहायक प्रोफेसर	सीएसई

23.	डॉ. एस. मनिप्रिया	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
24.	डॉ. चन्द्र मोहन डी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
25.	डॉ. पवन कुमार बी एन	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
26.	डॉ. कमलकांता सेठी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
27.	डॉ. कंदीमल्ला दिव्यब्रहम्हाम	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
28.	डॉ. राजा वर प्रसाद येर्रा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
29.	डॉ. अचिंत्य कुमार सरकार	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
30.	डॉ. प्रियंका द्विवेदी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	ईसीई
31.	डॉ. अनीश चंद तुरलपति	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
32.	डॉ. के शिव प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
33.	डॉ. पदमिनि सिंह	सहायक प्रोफेसर	
34.	डॉ. ई.पॉल ब्रेनियर्ड	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
35.	डॉ. मेनक ठाकुर	सहायक प्रोफेसर	गणित
36.	सुश्री प्रसन्ना लक्ष्मी एम	प्रवक्ता	गणित
37.	डॉ अनील यागबथिना	कनिष्ठ प्रवक्ता	अंग्रेजी

7.2 विजिटिंग संकाय

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	संकाय का नाम
1	आईटी प्रोजेक्ट प्रबंधन	श्री शिवसुब्रमनियन टी
2	पर्सनल ग्रोथ लैब	डॉ. जोस एमएफ
3	व्यावसायिक संचार, अनिवार्य अंग्रेजी और प्रौन्नत संचार कौशल	डॉ. कार्तिक वी
4	विकास हेतु आईसीटी	डॉ. पंकज कुमार डॉ. राजेश शर्मा
5	मौसम परिवर्तन और प्रभाव	डॉ. राजी पी
6	नियोजनीयता के लिए कौशल	डॉ. रवि थीलागन
7	उर्जा और पर्यावरण विज्ञान	डॉ. रूबेन सुधाकर
8	बायोइन्फोरमेटिक्स	डॉ. शैलथा रवि
9	मात्रा सूचना और कम्प्यूटिंग	डॉ. शिव कुमार

10	स्ंचालन संचार	डॉ. वनिता
11	डाटा विज्ञान के लिए पाइथन	श्री अतुल त्रिपाठी
12	थ्रेट इंटेलिजेंस	श्री अवकाश कथिरिया श्री चिन्मय मिश्रा
13	उर्जा और पर्यावरण विज्ञान	श्री पी. धमालिंगम
14	आईटी प्रोजेक्ट प्रबंधन	श्री जयदीप दास
15	मैक्रो आर्थिक और व्यक्तिगत वित	श्री के एम पदमानाभन
16	नवाचार और उद्यमिता	श्री सतीश मेदापती
17	एप्टीटयूट और रिजनिंग	सुश्री शबाना इमरान खान
18	मानव मूल्यों की स्थापना	आर्ट ऑफ लिविंग

7.3 कर्मचारी

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1	इवानी वीएसएसआर सोम्याजुलु	प्रबंध, रजिस्ट्रार कार्यालय
2	पी वी सोमेश्वर राव	सहायक प्रबंधक (लेखा)
3	के लालिन कुमार रेड्डी	सहायक प्रबंधक–एफ एंड ए
4	एस. ज्योति रानी	सहायक प्रबंधक, ईसी लैब
5	जी सिरी बाबू	सहायक प्रबंधक
6	उदियापुरम तुलसीदास	शारीरिक शिक्षा अनुदेशक
7	पी पूर्ण चंद्रा	कनिष्ठ प्रोजेक्ट इंजीनियर
8	विजय कुमार एस	इंजीनियर, सीएसई लैब
9	कोटेश्वरराव बी	इंजीनियर, सीएसई लैब
10	ए कोरियन	इंजीनियर, ईसी लैब
11	ए सुनीता	प्रशासनिक सहायक
12	**एम. सुरेश रेड्डी**	**ईसी लैब के लिए टयूटर**
13	एम सुकीर्थी व्यास	सहायक–शैक्षिक
14	जी मुरलीकृष्णन	पुस्तकालय सहायक
15	एम. तिरिपालु	सहायक (लेखा)
16	डी सुनील	सहायक (एफएंडए)
17	पी नरेश	वरिष्ठ प्रशिक्षु
18	आई रवि तेजा	वरिष्ठ प्रशिक्षु
19	जी.प्रसुना ओडुरु	रेसिडेंट वार्डन (बालिका छात्रावास)
20	जी. वैंकेया	अटेंडर

21	डी. भास्कर	सुपरवाईजर–हाउसकीपींग (ऑपरेशन और रखरखाव)
22	बी सुरेश	कार्यालय सहायक
23	एम.कार्तिक	प्रशिक्षु
24	सुप्रिया राजा	प्रशिक्षु
25	टी.जी.किरूबकरण	प्रशिक्षु
26	एन.महेश बाबू	प्रशिक्षु
27	टी. सुगन्या	हैल्पर
28	पी. नरेन्द्र	तकनीशियन
29	के.गिरि	इलेक्ट्रिशियन
30	के. मुनिरत्नम्मा	केयर टेकर – गर्ल्स हॉस्टल
31	के. कनकेश्वर राव	प्लंबर
32	एस किशोर	इलेक्ट्रिशियन

7.4 सलाहकार

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	डी.हरि कृष्णम राजू	सलाहकार (प्रापण एवं परिवहन)
2	अभिनय इराला	वरिष्ठ प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारी
3	एम मिचायेलू	प्रशिक्षण और नियुक्ति अधिकारी
4	श्री पी. कृष्णा मूर्ति	प्रबंधक टीबीआई

8. शोध तथा विकास

शोध एवं विकासः

अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 तक की अवधि के दौरान पीजी और यूजी छात्रों तथा उनके सहयोगियों के साथ संकाय के सदस्यों ने प्रभावशाली 16 जर्नल लेख प्रकाशित किए। इनमें अधिकांशतः एलसीवियर, आईईईई ट्रांजिक्सन, जर्नल ऑफ सेमी–कंडक्टर डिवाइसेस, सोलर एनर्जी, स्प्रिंजर, एसएई मोबिलिटी इंजीनियरिंग और जर्नल ऑफ बिजनेस परफॉर्मेंस तथा सप्लाई चैन मॉडलिंग जैसे अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशन शामिल है। उल्लेखनीय रूप से संकाय सदस्यों और छात्रों ने इस अवधि के दौरान 20 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त, इस अवधि के दौरान 2 भारतीय पटेन्ट दायर किए गए।

8.1 शोध प्रकाशन

जर्नलों में प्रकाशन

1. अग्रवाल, एन., और कुमार, आर. (2022)। औद्योगिक साइबर भौतिक प्रणालियों (आई–सीपीएस) का सुरक्षा परिप्रेक्ष्य विश्लेषणः एक दशक लंबा सर्वेक्षण, आईएसए लेनदेन

2. अग्रवाल, एन. (2021) स्वायत्त क्लाउड कंप्यूटिंग आधारित प्रबंधन और सुरक्षा समाधानः अत्याधुनिक, चुनौतियां और अवसर। उभरती दूरसंचार प्रौद्योगिकियों पर लेनदेन, 32(12), एम 4349

3. अग्रवाल, एन. (2021) इंटरनेट ऑफ थिंग्स के परिवेश में एज–फॉग–क्लाउड नेटवर्क के लिए डायनेमिक लोड बैलेंसिंग असिस्टेड ऑप्टिमाइज्ड एक्सेस कंट्रोल मैकेनिज्म। समवर्ती और संगणनाः अभ्यास और अनुभव, 33(21), ई 6440।''

4. ''सिरिगिरेड्डी, पी एंड एलाडी, पी.बी. (2022) मानव के चलने से उत्पन्न बल का उपयोग करते हुए उपन्यास पीजोइलेक्ट्रिक एनर्जी हार्वेस्टर का डिजाइन। स्मार्ट सामग्री और संरचनाएं, 31 (3), 035019 https://doi.org/10.1088/1361-665X/ac4e52."

5. ''किशोर कुमार जी, राजा कुमार आर, राम चक्का और विश्वनाथ पी (2021), ''''निकटतम पड़ोस और तंत्रिका नेटवर्क आधारित सिद्धांतों का उपयोग करते हुए ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन के लिए एक बहु–आयामी सटीक दृष्टिकोण'''', 30 जुलाई 2021 को स्वीकृत साधना(2021) 46:189, पेज 1––15, इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज (स्प्रिंगर द्वारा सह–प्रकाशित), 2021. डीओआईः 10.1007/s12046-021-01703-3 (इम्पैक्ट फैक्टर) 1.426)।

6. वी.सी.शेखर, पी.विश्वनाथ, पी. मुखर्जी, ए.गौतम, ''''ब्डडच्वैट्टः कंपाउंड फीचर एक्सट्रैक्शन एंड डेप्थवाइज सेपरेबल कनवल्शन बेस्ड ऑनलाइन सिग्नेचर वेरिफिकेशन'''', स्प्रिंगर जर्नल ऑफ न्यूरल कंप्यूटिंग एंड एप्लिकेशन, (30 जनवरी 22 को स्वीकृत) , पृष्ठ 1–28, 2022। (एससीआई द्वारा आईएफ 5.606 के साथ अनुक्रमित)।

7. एस एच शब्बीर एट अल। ''वीडियो में मानव क्रियाओं के वर्गीकरण के लिए स्पैशियो–टेम्पोरल सीएनएन पर एक सूचना–समृद्ध नमूनाकरण तकनीक'''' (मार्च 9, 2022 को स्वीकार किया गया) मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन (एक एससीआई–इंडेक्स्ड, आईएफ 2.757 के साथ स्प्रिंगर जर्नल)''

8. प्रसीद, ए., और थिलागम, पी.एस. (2021)। एचटीटीपीध्2 सर्वर पर मल्टिप्लेक्स असममित डीडीओएस हमलों का पता लगाने के लिए फजी अनुरोध सेट मॉडलिंग। एप्लिकेशन के साथ विशेषज्ञ सिस्टम, 186, 115697

9. एम. सुकीर्थी और शिवा कोटमराजू, ''4श्र प्दळंच्ध्प्दळं\–ळं\च्डफॅध्प्दळं\छैइध्ळम उच्च कुशल अंतरिक्ष सौर सेल का उन्नत भौतिक मॉडल का उपयोग करके जाल और वाहक हटाने का अध्ययन'' फिजिका ई% निम्न आयामी सिस्टम और नैनोस्ट्रक्चर, टवस.134, 114914 , 2021।

10. पवन वुडुमुला और शिवा कोटमराजू, ''बेहतर विश्वसनीयता के लिए ड्रेन साइड में एम्बेडेड एक पी–टाइप शोट्की डायोड के साथ एक रिवर्स रिकवरी विशेषता'', कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स जर्नल, 20(3), 1187–1195, 2021 ''

11. ''अ कैस्केड कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क आर्किटेक्चर फॉर डेस्पेकलिंग ओसीटी इमेजेज'', बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग एंड कंट्रोल, वॉल्यूम 66, अप्रैल 2021, 102463, एल्सेवियर

12. ए. बबलानी, डी.आर. एडला, वी. कुपिली और आर. धारवाथ, ईईजी सिग्नलों के वर्गीकरण के लिए फजी एन्सेम्बल दृष्टिकोण का उपयोग करके झूठ का पता लगाना, इंस्ट्रुमेंटेशन और मापन पर आईईईईई लेनदेन, वॉल्यूम। 70, पीपी. 1–13, मई 2021, आर्ट नं. 2509413

13. बालाजी टी.के., चंद्रशेखर राव अन्नवरापु, अन्नुश्री बबलानी, सोशल मीडिया विश्लेषण के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदमः एक सर्वेक्षण, कंप्यूटर साइंस रिव्यू, वॉल्यूम 40, 2021, 100395, आईएसएसएन 1574–0137, मई 2021

14. दामोदर रेड्डी एडला, शुभम डोडिया, अन्नुश्री बबलानी, और वेंकटनरेशबाबू कुप्पिली, ईईजी सिग्नल पर धोखा पहचान परीक्षण के लिए एक कुशल गहन शिक्षण प्रतिमान, प्रबंधन सूचना प्रणाली पर एसीएम लेनदेन, खंड 12, अंक 3, लेख संख्याः 25 पीपी 1–20 , जुलाई 2021

15. ''मेकाला गिरीश कुमार, यश अग्रवाल, वोबुलापुरम रमेश कुमार, राजीवन चंदेल, मिश्रित सीएनटी बंडल इंटरकनेक्ट में रैखिक और उप–दहलीज क्षेत्रों के लिए एक प्रमुख एकीकृत क्रॉसस्टॉक मॉडल, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक जर्नल, वॉल्यूम 118,2021,105294, आईएसएसएन 0026–2692, ''

16. एन. रंगप्पा, वाई.आर.वी. प्रसाद और एस.आर. दुबे, ''एलईडीनेटः डीप लर्निंग–बेस्ड ग्राउंड सेंसर डेटा मॉनिटरिंग सिस्टम,'' आईईईईई सेंसर जर्नल, वॉल्यूम में। 22, नहीं। 1, पीपी. 842–850, 1 जनवरी.

8.2 सम्मेलन की कार्यवाही/प्रस्तुतियां

1. त्रिपाठी, निखिल और अभिजीत कलयिल शाजी ''डिफर नो टाइम, डिलेज हैज डेंजरस एंड्सः स्लो एचटीटीपी/2 डीओएस अटैक्स इन द वाइल्ड।'' 2022 में संचार प्रणाली और नेटवर्क (सीओएमएसएनईटीएस) पर 14वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीपी। 194–198। आईईईईई, 2022।
2. ''पी. सिरीगिरेड्डी और पी.बी. एलादी,'' ''इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट संस्थान, कोलकाता द्वारा 25–27 फरवरी 2022 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईएमआरई – 2022 में'' ''मानव चलने से बिजली उत्पादन के लिए उपन्यास पीजोइलेक्ट्रिक एनर्जी हारवेस्टर का संख्यात्मक अध्ययन'' ''
3. ''सी.वी. शेखर, एस. बालासुब्रमण्यन, पी. विश्वनाथ, ए. गौतम,'' ''मॉडल कम्प्रेशन बेस्ड लाइटवेट ऑनलाइन सिग्नेचर वेरिफिकेशन फ्रेमवर्क'''', दस्तावेज विश्लेषण और मान्यता पर कार्यशाला (डीएआर), आईसीवीजीआईपी, (स्वीकृति की तिथिः 1 नवंबर 2021) दिसंबर 2021।
4. प्रणिता सलादी, ऋषि मनुदीप गुंटुपल्ली, सुधीर कुमार पुप्पाला और विश्वनाथ पुलाबाइगारी, ''''प्राथमिकता वाले अर्ध–पर्यवेक्षित डीप एंबेडेड क्लस्टरिंग'''', तीसरे अंतर्राष्ट्रीय में। कॉन्फ। ऑन इनोवेटिव ट्रेंड्स इन इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (प्ब्ज्प्ज् 22) 2022, (21 दिसंबर 2021 को स्वीकृत),

12–13 फरवरी 2022, आईईईई द्वारा प्रकाशित।''

5. साहू, एम.एम., पट्टाथल विजयकुमार, ए., हेरमैन, आई., मैथ्यू, एस.के., और पोरवाल, ए.: एस्टीमेशन ऑफ पॉइंट स्प्रेड फंक्शन फॉर अनमिक्सिंग जियोलॉजिकल स्पेक्ट्रल मिक्सचर, ईजीयू जनरल असेंबली 2022, विएना, ऑस्ट्रिया, 23–27 मई 2022, ईजीयू22–8712, https%//doi-org/10-5194/egusphere&egu22–8712, 2022
6. कुसुरु, दुर्गेश, अनीश सी. तुरलापति, और मैनक ठाकुर। ''''ऊपरी अंगों से सतह ईएमजी संकेतों के लिए एक लाप्लासियन–गॉसियन मिश्रण मॉडल।'' 2021 मेडिसिन एंड बायोलॉजी सोसाइटी (ईएमबीसी) में आईईईईई इंजीनियरिंग का 43 वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आईईईईई, 2021
7. किशोर, एसआर नंधा, मैनक ठाकुर और सुभोजित मंडल। ''''ऑफशोर विंड साइट–ए केस स्टडी पर हवा की गति का पूर्वानुमान।'' महासागर 2022–चेन्नई। आईईईईई, 2022।
8. कुसुरु, दुर्गेश, एट अल। ''''एक गाऊसी गामा मिश्रण मॉडल हिंद महासागर की सतह हवा की गति के लिए।'' महासागर 2022–चेन्नई। आईईईईई, 2022।''
9. ''मुरुकुटला, एस.ए., कौशिक, एस.बी., चिंतला, एस.पी.आर., बोब्बिलापति, ए., और कंडास्वामी, एस. (2021, अक्टूबर)। महासागरों में प्लास्टिक और मलबे की ट्रैकिंग के लिए एक सरल एजेंट आधारित मॉडलिंग टूल। प्रैक्टिकल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एजेंटों और बहु–एजेंट प्रणालियों के अनुप्रयोग (पीपी. 139–150)। स्प्रिंगर, चाम।
10. मीगड़ा, एस., और कंडास्वामी, एस. (2021, सितंबर)। सोशल मीडिया में वायरल सूचना प्रसार रणनीतियों की तुलना। सामाजिक सिमुलेशन सम्मेलन 2021। क्राको, पोलैंड – 20–24 सितंबर 2021।
11. सनोदिया आरके, गोट्टमुक्कला वीवी, कुरुगुंडला एलडी, धनश्री पीआर, कर्ण आरआर, याओ एल। 64–72
12. सनोदिया आर.के., शर्मा सी., सात्विक एस., छल्ला ए., राव एस., याओ एल.यए नॉवेल मेट्रिक लर्निंग फ्रेमवर्क फॉर सेमी–सुपरवाइज्ड डोमेन एडेप्टेशनय खंड–13108य165–176
13. लक्ष्मी आर., सनोदिया आर.के., लिंडा आर.जे., जोस बी.आर., मैथ्यू जे.य कर्नेलाइज्ड ट्रांसफर फीचर लर्निंग ऑन मैनिफोल्ड्सय खंड–13109य पृष्ठ 297–308''
14. आर. धनेशा, डी. के. उमेशा, सी. एल. श्रीनिवास नायका और जी. एन. गिरीश, ''सुपारी के गुच्छों का विभाजनः विभिन्न रंग मॉडल का एक तुलनात्मक अध्ययन,'' 2021 प्म्म् मैसूर सब सेक्शन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (मैसूरकॉन), अक्टूबर 2021, पीपी 752–758 डीओआईः 10-1109/eSlwjd,u52639-2021-9641680A
15. एस.मणिप्रिया, सी.माला, सैमसन मैथ्यू, ''सत्यापित ट्रैफिक कंजेशन स्टैटिस्टिक्स (TraCoS) के साथ आईटीएस एप्लिकेशन का बेहतर प्रदर्शन'', कम्प्यूटेशनल प्रदर्शन मूल्यांकन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (COMPE 2021), आईईईईई कार्यवाही, पीपी। 141–146, शिलांग , मेघालय, भारत, दिसंबर 2021
16. एस.मणिप्रिया, सी.माला, सैमसन मैथ्यू, ''बेहतर वाहन पहचान सटीकता और वीडियो आधारित आईटीएस अनुप्रयोगों के लिए प्रसंस्करण समय'', भारत के परिवहन अनुसंधान समूह (सीटीआरजी 2021), त्रिची, भारत, दिसंबर 2021 पर 6 वां सम्मेलन
17. बालाजी, टी. के., अनुश्री बबलानी, और एस. आर. श्रीजा। ''डीप और मशीन लर्निंग एप्रोच का उपयोग करके भारत में ब्ट्प्क–19 टीकों पर ओपिनियन माइनिंग।'' सूचना प्रौद्योगिकी में अभिनव रुझानों पर 2022 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईटीआईआईटी)। आईईईईई, 2022।
18. एल. एम्मादी, आर. वरप्रसाद और एच. वेंकटरमण, ''''स्मार्ट फैक्ट्री वातावरण में एसडीएन आधारित प्व्ज नेटवर्क लक्ष्यीकरण स्वचालन प्रक्रियाओं का विश्लेषण,'''' 2021 संचार प्रणालियों और नेटवर्क

प्रौद्योगिकियों (सीएसएनटी), 2021, पीपी पर 10 वीं आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 465–472, डीओआईः 10.1109ध्सीएसएनटी51715.2021.9509726।

19. एस कांची और आर.वी. प्रसाद, ''''यूएवी के लिए इंटीग्रल फ्रेमवर्कः नेविगेशनल और वायरलेस कनेक्टिविटी पहलू,'' 2021 आईईईई क्षेत्र 10 संगोष्ठी (टीईएनएसवाईएमपपी), 2021, पीपी। 1–6, कवपः 10.1109/टीईएनएसवाईएमपी52854.2021.9550847।
20. पी.एस. हर्षिता, आर. वारा प्रसाद और एच. वेंकटरमन, ''''क्रिस– सेंट्रल सर्वर–आधारित रीयल–टाइम इंटरकनेक्शन ऑफ वाटर सप्लाई नेटवर्क,'' 2021 आईईईई बॉम्बे सेक्शन सिग्नेचर कॉन्फ्रेंस (आईबीएसएससी), 2021, पीपी 1–5 , डोईः 10.1109/आईबीएसएससी53889.2021.9673319।

8.3 जारी प्रायोजित परियोजनाएं (2021–22)

1. डॉ. अनीश चंद तुरलापति (पीआई)– डॉ. शिव राम दुबे, डॉ. बालकृष्ण गोकाराजू, द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट अलबामा (सह–पीआई)–एसईआरबी–सीआरजी–''ईएमजीनेटः डवलपमेंट ऑफ डीप लर्निंग बेस्ड मॉडल फॉर हैंड मेवमेंट क्लासीफिकेशन यूजिंग सरफेस ईएमजी सिग्नल्स– रू. 34,06,558, 4 फरवरी 2020– 3 फरवरी 2022
2. डॉ. हृषिकेश वेंकटरमन (पीआई), डॉ एसआर पांडियन, आईआईटीडीएम कांचीपुरम (सह–पीआई)– डीआरडीओ–एनआरबी–''डिजाइन एंड डवलपमेंट ऑफ बॉयो–इस्पायर्ड नेटवर्क ऑफ ऑटोनमस अंडरवाटर व्हीकल्स''–रु. 46,88,605, 7 फरवरी, 2020–6 मई, 2022
3. डॉ राजा वरा प्रसाद वाई–एमईआईटीवाई–सीसीएंडबीटी–''डिजाईन एंड फैब्रीकेशन ऑफ ऑटोनमस पैसेंजर ड्रौन– रू. 36,18,000, 26 जुलाई, 2019–25 जुलाई, 2022
4. डॉ. कदीमल्ला दिव्यब्रम्ह–एसईआरबी–ईसीआर–डवलपमेंट ऑफ हायब्रिड मैथड टू एनालाइज द रेडिऐशन केरेकटरस्टिक्स ऑफ ए डिपोल एटेंना निय ए परफैक्टली कंडक्टिंग सिलेंडरिकली कर्व्ड स्क्रीन''– रू. 41,40,400, 26 मार्च, 2019–25 मार्च, 2022
5. डॉ. प्रियंका द्विवेदी, एसईआरबी–एसआरजी, डवलपमेंट ऑफ वियरेबल, नॉन–इनवेसिव डिवाइस फॉर ह्युमन हेल्थ वैलनेस'', रु.30,68,520 26 दिसंबर, 2020 से दिसंबर 2022।
6. डॉ. बालाजी रमन, डॉ. पीयूष जोशी, डीएसटी–एनएमआईसीपीएस–टीआईएच आईआईटी हैदराबाद डिजाइन, विकास और वास्तविक समय यातायात प्रवाह भविष्यवाणी और नियंत्रण के लिए ऊर्जा–कुशल स्मार्ट एज उपकरणों की तैनाती, रुपये 40,00,002, 23 जुलाई 2021–22 जुलाई 2024
7. डॉ बालाजी रमन, डॉ नेहा अग्रवाल डीएसटी–एनएमआईसीपीएस–टीआईएच आईआईटी कानपुर– ''सुरक्षित ड्रोनः यूएवी में क्रिप्टोग्राफिक मॉड्यूल का विश्लेषण, तैनाती और निर्णय रूप्ए 37,00,480 नवंबर –21 से नवंबर –24
8. **डॉ राजा वर प्रसाद डॉ बालाजी रमन और डॉ दिव्यब्रह्मम कांदिमल्ला डीएसटी-एनएमआईसीपीएस-टीआईएच आईआईटी हैदराबाद - "उन्नत एरियल मैपिंग (एएएम) राइडर: यूएवी का उपयोग कर मैंगो फार्म के लिए यील्ड डिटेक्शन सिस्टम" रु 49,96,100 3 जुलाई 2021 से 2 जुलाई 2024**

9. डॉ हिमांशु सरमा – एसईआरबी–एसआरजी– ''स्कूली शिक्षा के लिए वीआर और एआर के माध्यम से गेम प्लेटफॉर्म का विकास'' रु.16,40,720 दिसंबर–21 से दिसंबर–23

8.4 पेटेंट दायर करना

1. एच. वेंकटरमण, एन. जसवंत, विष्णु वामसी और मनोहर साई, "सिस्टम फॉर इंडिकेटिंग रोड क्वालिटी इंडेक्स एंड मेथड थियोफ", भारतीय पेटेंट, 4 जून 2021 को दायर

2. एच. वेंकटरमण, राजा वर प्रसाद, अग्रराज खरे और पवन। वाई, "विनिर्माण प्रक्रिया और सिस्टम में आगामी देरी की भविष्यवाणी करने की विधि", भारतीय पेटेंट, जुलाई 2021 में दायर

3. डी. आदित्य, एन. जसवंत और एच. वेंकटरमन, ''विजुअल एनोमली इंस्पेक्शन एंड मैकेनिज्म फॉर डिजिटल ट्विन विद रोबोटिक आर्म'', भारतीय पेटेंट, 17 अगस्त 2021 को दायर

9. नवाचार और उद्यमिता विकास

नवाचार और उद्यमिता पर फोकसः आईआईआईटी श्री सिटी संकाय एवं छात्रों को उनकी क्षमता को पूरा करने एवं समाज की जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। हम कई तरीकों से उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। आईआईआईटी श्री सिटी को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की इनोवेशन सेल द्वारा इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल के रूप में कार्य करने के लिए चुना गया है। इसके अलावा, आईआईआईटी श्री सिटी ने छात्रों द्वारा नवीन विचार सृजित करने और उन्हें व्यावसायिक अवसरों में बदलने हेतु समर्थन और सक्षम करने के लिए एक उद्यमशीलता सेल (ई–सेल) की स्थापना की है। ई–सेल छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ सफल उद्यमी बनने का प्रशिक्षण देता है।

उद्यमशीलता के भाव को ध्यान में रखते हुए, हमने 2020 में टीबीआई, ज्ञान सर्कल वेंचर्स (आईआईटीएस (सीआईईडी), एक स्वतंत्र धारा 8 गैर–लाभकारी संगठन में नवाचार और उद्यमिता विकास केंद्र होने के नाते कानूनी इकाई) का शुभारम्भ किया। बिजनेस इन्क्यूबेटर, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग सहित कई क्षेत्रों मे नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की रणनीतिक प्राथमिकताओं में से एक है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि ज्ञान सर्किल वेंचर्स नवोन्मेष और स्टार्टअप के लिए एक हब के रूप में काम करेगा, जिससे नई प्रौद्योगिकियों और व्यावसायिक अवसरों के विकास के साथ–साथ इस क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास को सक्षम बनाया जा सकेगा।

आईआईआईटी श्री सिटी से जुड़े इनक्यूबेटर का प्राथमिक उद्देश्य, अपनी बौद्धिक पूंजी का उपयोग करके संस्थानों की उद्यमशीलता की भावना के निर्माण को प्रोत्साहित करना है। वर्तमान में, डॉ. जी. कन्नबीरन, निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी और श्री एम बालासुब्रमण्यम, अध्यक्ष, बीओजी–आईआईआईटी श्री सिटी कंपनी के निदेशक (सीआईईडीआई) के रूप में कार्य करते हैं।

आईआईआईटी श्री सिटी में स्थित ज्ञान सर्कल वेंचर्स इनक्यूबेटियों और स्टार्टअप्स को बहुमूल्य सुविधाएं प्रदान करता है। जीसीवी के इनक्यूबेटियों को निम्न का एक्सेस मिलता हैः

- मॉर्डन वर्क स्पेस
- संचार सुविधाएं

- कंप्यूटिंग सुविधाएं
- उपकरण प्रयोगशाला
- पुस्तकालय और सूचना केंद्र
- प्रशिक्षण और सम्मेलन सुविधाएं

इसके अलावा, इनक्यूबेटीज अकादमिक और उद्योग दोनों से मेंटर्स की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकते हैं। टीबीआई जो कि एक उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी संस्थान का हिस्सा है, में एक इनक्यूबेटी होना गर्व की बात है। स्टार्टअप्स को श्रमशक्ति की आवश्यकता होती है और उनके पास आईआईआईटी श्री सिटी के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को इंटर्न या पूर्णकालिक कर्मचारियों के रूप में काम पर रखने का अवसर होता है।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा ज्ञान सर्किल वेंचर्स के प्रस्ताव को प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और उद्यमियों के विकास (टिडे 2.0) ऊष्मायन केंद्र के रूप में कार्य करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। उनके द्वारा जीसीवी को ग्रुप 2 केंद्र के रूप में चुनकर फंडिंग किया जा रहा है।

सामाजिक प्रासंगिकता के पूर्व–पहचाने गए क्षेत्रों में आईओटी, एआई, ब्लॉक–चेन, रोबोटिक्स इत्यादि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने में लगे इनक्यूबेटरों को वित्तीय और तकनीकी सहायता के माध्यम से तकनीकी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एमईआईटीई द्वारा टाइड 2.0 की शुरुआत की गई थी।

ज्ञान सर्किल वेंचर्स में टाइड 2.0 केंद्र निम्नलिखित दो कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न चरणों में नवप्रवर्तनकर्ताओं और स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करेगा।

गृह उद्यमि (ईआईआर) कार्यक्रमः

- एक गृह उद्यमि (ईआईआर) एक व्यक्ति/छात्र/स्टार्ट–अप है जो अपने विचार को प्रूफ–ऑफ–कॉन्सेप्ट (पीओसी) में विकसित और मान्य करने के लिए तैयार है।
- ये जीसीवी इनक्यूबेटर स्पेस से काम करेंगे
- जीसीवी टीबीआई, पीओसी के विचार विकास, सत्यापन और उसके बाद के विकास का समर्थन करेगा।
- प्रत्येक ईआईआर को अनुदान के रूप में अधिकतम 4 लाख रु. प्रदान किए जाएंगे।

अनुदान कार्यक्रमः

- एक निश्चित प्रूफ–ऑफ–कॉन्सेप्ट वाले नवीन स्टार्ट–अप को अनुदान के लिए पात्र माना जा सकता है। न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद बनाने और स्टार्ट–अप को गो–टू–मार्केट चरण तक आगे बढ़ाने के लिए अनुदान प्रदान किया जाता है।

- प्रत्येक स्टार्ट अप को अनुदान के रूप में अधिकतम 7 लाख रु. प्रदान किए जा सकते हैं।
- जीसीवी टीबीआई पूरे कार्यक्रम में परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

मैटी टिडे 2.0 कार्यक्रम के तहत अपने पहले कोहर्ट के रूप में, जीसीवी ने वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान 9 स्टार्टअप (8 अनुदान और 1 ईआरईआर) को चुना और वित्त पोषित किया। स्टार्टअप्स का विवरण इस प्रकार हैः–

क्र. सं.	स्टार्टअप / कंपनी	मुख्य नवाचारी / सीईओ	नवाचार संक्षेप	तकनीक	अनुप्रयोग क्षेत्र
1	रेकिंडल ऑटोमेशन प्रा. लि. चैन्नई	राधाकृष्णन जोथीराम	केंद्रीकृत निगरानी और अंतःशिरा द्रव के स्वचालित रोक के लिए एक स्मार्ट अंतःशिरा ड्रिपर प्रणाली	एआई	हेल्थकेयर
2	हाइवरिक्स टैक्नोलॉजीस, चैन्नई	हेमलथा आर	ली–आयन बैटरी उपकरणों के लिए स्मार्ट ग्रीन चार्जिंग समाधान की अगली पीढ़ी	आईओटी	स्मार्ट चार्जिंग
3	एक्वा सोल्यूशन कृष्णा	जोगी साई प्रसन्ना	एक्वा फार्मों की फीडिंग और निगरानी के लिए एक्वाकल्चर स्मार्ट मॉनिटरिंग सिस्टम	आईओटी	एक्वाकल्चर
4	एलएसपीओटी प्रवेन टेक, इरोड	सुनील विग्नेश	मानव मुद्रा को बनाए रखने और बनाए रखने के लिए इंटेलीजेंट वियरेवल डिवाइस	एमएल	प्रेरेवेंटिव हेल्थकेयर
5	मेडक्योर मेडिकल सोल्यूशन	पॉल प्रदीप जे	हाइब्रिड हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके इनडोर वायु गुणवत्ता निगरानी और शुद्धिकरण प्रणाली	आईओटी	पर्यावरण
6	नंधा इंफोटेक कोयम्बटूर	विग्नेशवरन टी	सेंस लुटो – उन्नत मृदा निगरानी और फसल प्रबंधन प्रणाली	आईओटी	कृषी
7	मेलोन एआई प्रा. लि.	डॉ. मसूद इकरम	कापेमोः आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कैमरा	एआई	खुदरा
8	इक्यूजोन मेडीटेक प्रा. लि.	राजनंदिनी बी	रिमोट मॉनिटरिंग के साथ नेगेटिव प्रेशर वाउंड थेरेपी	आईओटी	हेल्थकेयर
9	हाइड्रोट्राइव प्रा.	तरूण के	घर पर जैविक सब्जियों	आईओटी	हाइड्रोफोनिक्स

	लि.	कारानम	की खेती के लिए ऑटोमेटेड और सेल्फ सस्टेनेबल एरोपोनिक टॉवर		

उपर्युक्त स्टार्टअपस रेकिंडले, हिवरीक्स और मेडक्योर में तीन ने पहले ही कार्यक्रम पूरा कर लिया है। मेडक्योर मेडिकल सॉल्यूशनस को एमईआईटीवाई द्वारा टीआईडीई 2.0 योजना के तहत 35 लाख रूपए के निवेश के लिए चुना गया है।

दूसरे कोहोरट के भाग के रूप में जीसीवी वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान 9 स्टार्टअपस '7 अनुदान और 2 ईआईआर' का चयन और वित्तपोषण किया। इन स्टार्टअपस का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

क्रम संख्या	नाम	संगठन	टेकनोलाजी	क्षेत्र
1.	मेघवरमन पी	मेगरोनिक कोन्टीरिवेंस प्रा. लि.	आईओटी / रोबोटिक्स	कृषि
2.	शिव नागराजु	फार्मक्स इनोवेशन प्रा लि	आईओटी	कृषि
3.	वर्षन मोहन	प्रिस्टन ऑटोमेशनस प्रा. लि.	एलएल एंड आईओटी	उर्जा क्षेत्र
4.	विष्णु प्रिया	करातु साइंटिफिक सॉलयुशनस एलएलपी	एमईएमएस	स्वास्थ्य देखभाल
5.	आकांशी वैश्य	वर्किफाई	एएल / एमएल, रोबोटिक्स	पर्यावरण
6.	पदमानाभन के	पवन एम्पावन सॉलुशन्स	आईओटी	वियरेबल डिवाईस
7.	अभिषेक कौशल	रेडिएट हैल्थकेयर इनोवेशन्स प्रा. लि.	एआई और आईओटी	स्वास्थ्य देखभाल
8.	मंजु भार्गवी		एआई और आईओटी	स्वास्थ्य देखभाल
9.	राजा सुरेश	एकलव्य इनोवेटिव सॉलयूशन्स	आईओटी	विज्ञापन

10. अन्य गतिविधियां

कोविड–19 के दौरान शैक्षिक प्रगतिः भारत सरकार और आंध्र प्रदेश सरकार की सलाह के अनुसार, बीटेक छात्रों के लिए परिसर को बंद किया गया। मानसून 2021 की कक्षाएं नियमित कार्यक्रम के अनुसार अगस्त 2021 से ऑनलाइन मोड के माध्यम से फिर से शुरू की गईं। संकाय सदस्यों से अनुरोध किया गया था कि वे एक सप्ताह पहले अपनी कक्षाओं से संबंधित शिक्षण स्लाइड प्रदान करें और जिसे एक कॉमन ड्राइव के माध्यम से छात्रों के साथ साझा किया गया। इसके अलावा, सभी कक्षाओं का वीडियो रिकोड किया गया और रिकॉर्डिंग को छात्रों के लिए ऑफलाइन देखने हेतु उपलब्ध कराया गया। कक्षाओं में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हर हफ्ते ऑनलाइन सरप्राइज क्विज आयोजित किए गए जो निरंतर मूल्यांकन का हिस्सा होते हैं। ऑनलाइन मोड के माध्यम से सतत मूल्यांकन घटकों और अंतिम अवधि की परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। संस्थान ऑनलाइन वितरण और पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन के लिए प्रभावी रूप से पढ़ाने के लिए संकाय सदस्यों के समर्थन को रिकॉर्ड में रखता है। पीएचडी और एमटेक के छात्र अगस्त 2021 से कैंपस में रह रहे हैं।

दीक्षांत समारोह 2021: संस्थान का दीक्षांत समारोह दिनांक 30 जून 2021 को आयोजित किया गया। श्री संजय धोत्रे, तत्कालीन माननीय केन्द्रीय शिक्षा, संचार और इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, भारत सरकार ने दीक्षांत समारोह अभिभाषण दिया। इस दीक्षांत समारोह के दौरान 164 कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग के छात्रों ने और 97 इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग के छात्रों को शामिल करते हुए कुल 261 छात्रों (2019 और 2020 बैच) ने डिग्रियां प्राप्त कीं। इसमें दोनों विषयों के 28 ऑनर्स छात्र भी शामिल थे।

श्री संजय धोत्रे ने आईआईआईटी श्रीसिटी को शिक्षा और शोध क्षेत्रों में उसकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। दीक्षांत समारोह उद्‌बोधन के भाग के रूप में उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, वीआर, ब्लॉक चेन, 3डी प्रिंटिंग, डाटा विशलेषण, ड्रोन और अन्यों को शामिल करते हुए उद्योग 4.0 की उभरती हुई नई प्रौद्योगिकियों को उजागर किया। उन्होंने छात्रों से न केवल इन प्रौद्योगिकियों के विकास और सुधार में कार्य करने का अनुरोध किया अपितु यह देखने के लिए कहा कि कैसे वे इनका आम लोगों की समस्याओं को हल करने में उपयोग कर सकते है जैसे कि उर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खेती की दक्षता में सुधार करना, प्रत्येक घर में पाइप वाला पानी सुनिश्चित करना, वन्य क्षेत्रों को कवर करने और जंगली जीवन के संरक्षण की निगरानी और एमएसएमई।

ओबीई पाठ्यचर्या आरंभ करनाः एक मुख्य शैक्षिक परिवर्तन करते हुए, संस्थान ने एक चरणबद्ध तरीके से *परिणाम आधारित शिक्षा* (ओबीई) आरंभ करने का निर्णय लिया है। यह प्रस्ताव किया गया है कि सभी

गतिविधियों का छात्र केन्द्रित होना सुनिश्चित करते हुए शिक्षण–अधिगम की प्रभाविता हासिल की जाएगी। इसप्रकार, पाठयचर्या और उसे प्रदान किया जाना छात्रों की सही नौकरियां प्राप्त करने अथवा उच्च अध्ययन के योग्य बनने में सहायक होंगी। ओबीई के कार्यान्वयन के साथ नई पाठ्यचर्या में निम्नलिखित विशिष्टताएं शामिल होंगी।

फुल स्टॉक विकास ट्रैकः फुल–स्टॉक डेवेलेपर्स के लिए नौकरी के अवसर अगले कुछ वर्षों में 24 प्रतिशत की दर से बढ़ेंगे। इस मांग को पूरा करने के लिए 4थे से 6वें सेमेस्टर तक विस्तारित परियोजनाओं के साथ तीन पाठ्यक्रम का ट्रैक प्रदान किया जाएगा। छात्र अत्यआधुनिक एफएसडी टूल्स, लाइब्रेरीस और सर्विसिस को समझ और प्रदर्शित कर पाएंगे। वे एक प्रदर्शन योग्य परियोजना के माध्यम से एफएसडी टूल्स का प्रयोग करते हुए एंड–टू–एंड एप्लीकेशन्स का निर्माण, प्रयोग और सहायता कर पाएंगे।

बी.टेक विशेषज्ञताः उद्योग जगत को विशिष्ट मानव संसाधन प्रदान करते के लिए निम्नलिखित बी.ऐक विशेषज्ञताएं प्रस्तावित हैं।

- *आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग*
- *साइबर सुरक्षा*
- *डाटा साईंस*
- *साईबर फिजिकल सिस्टम*
- *नेक्स्टजेन वायरलैस संचार*

छात्रों को विशेषज्ञता के साथ बी.टेक डिग्री प्राप्त करने के लिए 4 पाठयक्रमों और एक उद्योग आधारित परियोजना के माध्यम से 14 अतिरिक्त क्रेडिट प्राप्त करने होते हैं।

छात्रों द्वारा एसएसएचएएम (कौशल, विज्ञान, मानविकी, दृष्टिकोण और प्रबंधन) के तहत आबंटित क्रेडिट के भाग के रूप में 4 क्रेडिट की ''सामाजिक केन्द्रित नवाचार'' परियोजना आरंभ करते का प्रस्ताव है। वे यूबीए गांवों और पास पड़ोस में अभिज्ञात समस्याओं के लिए नवाचारी प्रौद्योगिकी आधारित हल निकालने पर ध्यान केन्द्रित करेंगे।

संस्थान ने एक चरणबद्ध तरीके से शैक्षिक वर्ष 2021–22 से *परिणाम आधारित शिक्षा (*ओबीई*)* आरंभ करने का निर्णय लिया है। यह प्रस्ताव किया गया है कि सभी गतिविधियों का छात्र केन्द्रित होना सुनिश्चित करते हुए शिक्षण–अधिगम की प्रभाविता हासिल की जाएगी। इसप्रकार, पाठयचर्या और उसे प्रदान किया जाना छात्रों की सही नौकरियां प्राप्त करने अथवा उच्च अध्ययन के योग्य बनने में सहायक होंगी। प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धि, अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने आईआईआईटी श्रीसिटी के ओबीई आधारित बी टेक और एम टेक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबंधोन के भाग के रूप में उन्होंने छात्रों, अभिभावकों, सरकार, उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने पर बल दिया। श्री एम. बालासुब्रमणियम, अध्यक्ष, शासी मंडल ने समारोह की भव्यता बढ़ाई और पूर्ण दोहन के लिए ओबीई पाठ्यचर्या के प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर दिया।

बीटेक छात्रों के लिए बैक टू कैम्पस कार्यक्रमः कोविड 19 महामारी के कारण सभी यूजी छात्रों के लिए परिसर मार्च 2020 से बंद है और शैक्षिक गतिविधियां आनलाईन तरीके से कार्य कर रही है। शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया और सह शिक्षणेतर गतिविधिां इसकी वजह से प्रभावित हुई हैं। यह देखा गया है कि सरकार द्वारा चलाए गए मुख्य टीकाकरण की वजह से कोविड 19 परिस्थितियों में सुधार हुआ है। इसके अतिरिक्त, कुछ छात्रों ने परिसर में वापस आने की इच्छा जताई है। इसलिए, संस्थान ने सभी छात्रों, अभिभावकों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और अन्य भागीदारों के साथ बैक टू कैम्स 2021 (बीटीसी2021) आरंभ किया। तथापि, काफी कम संख्या में छात्र परिसर में वापस आने के इच्छुक दिखे। संस्थान ने उन छात्रों को कैम्पस में आने के लिए प्रोत्साहित किया तथा एक हाइब्रिड तरीके से कक्षाएं आरंभ की। सभी कोविड प्रोटोकल का पालन करते हुए 5 जनवरी 2022 से आफलाईन कक्षाएं आरंभ करने का प्रस्ताव है। उभरती हुई परिस्थितियों के आधार पर जनवरी 2022 के तीसरे सप्ताह से अन्य छात्रों को भी परिसर में लाने का प्रस्ताव है।

मूल्य आधारित शिक्षा और व्यक्तित्व विकास संबंधी वेबीनारः एनईपी 2020 कार्यान्वयन के भाग के रूप में, संस्थान ने आईआईआईटी समन्वय मंच के तत्वाधान में सभी 20 आईआईआईटी के निदेशकों, संकाय सदस्यों और छात्रों के लाभ के लिए इस वेबीनार का आयोजन किया। गुरूदेव श्री श्री रविशंकर, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक और श्री ए. बालाकृष्णन, अध्यक्ष, विवेकानंदा केन्द्र कन्याकुमारी ने विषयागत भाषण दिया और लोगों के साथ मेल मुलाकात की। विचार विमर्ष मुल्यों और अच्छे व्यक्तित्व के विकास के संबंध में विशेषकर कॉलेज के छात्रों, युवाओं के समक्ष आने वाली चुनौतियों और मुद्दों पर केन्द्रित थे। विचार विमर्षों में आगे औपचारिक पाठयचर्या तथा शिक्षणेतर एवं अन्य शिक्षणेतर गतिविधियों के जरिए आवश्यकताओं को समाविष्ट करने, संकाय द्वारा मुख्य भूमिका, पहले वर्ष से चौथे वर्ष में गतिविधियों की सतत और चरणबद्ध योजनाएं बनाने पर केन्द्रित था। युवाओं को उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में मूल्यों का पालन करने में सहायता प्रदान करने में बडी गतिविधियों की योजना बनाने में स्थानीय समुदाय, सामाजिक संगठनोकं, उद्योगों, संस्थान के पूर्व छात्रों जैसे अन्य प्रतिभागियों को शामिल करने पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया।

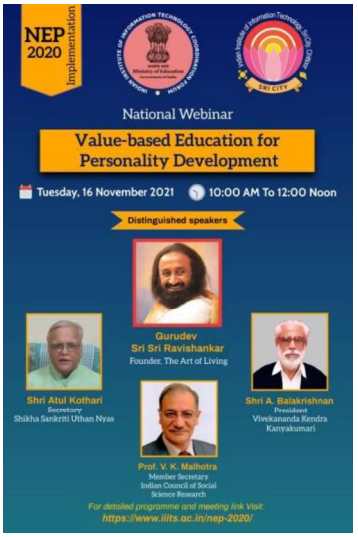

बीटेक छात्रों के लिए बैक टू कैम्पस कार्यक्रमः कोविड 19 महामारी के कारण सभी यूजी छात्रों के लिए परिसर मार्च 2020 से बंद है और शैक्षिक गतिविधियां आनलाईन तरीके से कार्य कर रही है। शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया और सह शिक्षणेतर गतिविधिां इसकी वजह से प्रभावित हुई हैं। यह देखा गया है कि सरकार द्वारा चलाए गए मुख्य टीकाकरण की वजह से कोविड 19 परिस्थितियों में सुधार हुआ है। निम्नलिखित सूची के अनुसार बीटेक छात्रों को परिसर में वापस लाया गया हैः

- ✪ 5 जनवरी 2022 से द्वितिय वर्ष बीटेक
- ✪ 26 जनवरी 2022 से चौथा वर्ष बीटेक
- ✪ 5 मार्च 2022 से तीसरा वर्ष बीटेक

छात्रों द्वारा परिसर में सभी शैक्षिक एवं अन्य गतिविधियों में भाग लेते हुए देखना शानदार क्षण था। मैं यह बताना चाहता हूं कि आईआईआईटी में बीटेक छात्रों को परिसर में वापस लाने वाला हमारा संस्थान पहला है। मैं बैक टू कैम्पस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सहायक डीनस, शैक्षिक समन्वय और अन्य संबंधित संकाय एवं कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सहायता को रिकार्ड पर दर्ज करता हूं।

सरकार द्वारा सुझाए गए कोविड 19 प्रोटोकल के अतिरिक्त छात्रों को शैक्षिक ब्लॉक और छात्रावासों में कोविड से संबंधित उचित व्यवहार का अनुसरण करने की सलाह भी दी गई ।

डीप लर्निंग एवं अनुप्रयोग पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यषाला, 22–26 फरवरी, 2021: आईआईआईटी श्रीसिटी द्वारा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग शोध बोर्ड, भारत सरकार के सहयोग से 22–25 फरवरी 2021 के दौरान पांच दिवसीय गहन शिक्षण और अनुप्रयोगों में प्रगति पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर गहन शिक्षण और इसके अनुप्रयोगों में प्रोन्नती को शामिल किया गया। इसमें श्रोता मुख्यतः शोध छात्र, संकाय सदस्य और शिक्षक तथा विश्व भर की प्रौद्योगिकिया शामिल थीं जिन्होंने उनके संबंधित क्षेत्रों में प्रभावी जानकारी प्राप्त होने का फीडबैक दिया। कार्यशाला में प्रत्येक विषय यह ध्यान में रखते हुए चुना गया था कि कैसे उद्योग उनकी सफलता के लिए अत्याधुनिक गहन शिक्षण पद्धतियों को इकट्ठे लाएं। इस कार्यशाला ने विविध क्षेत्रों के 37 प्रख्यात वक्ताओं को एक स्थान पर इकट्ठा किया। इन वक्ताओं में 15 आईआईटी संकाय सदस्य, 13 उद्योग विशेषज्ञ, 2 भारत सरकार के अधिकारी, और 7 अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ता थे। इस कार्यशाला में लगभग 120 प्रतिभागियों द्वारा भागीदारी की गई जिनमें विश्व भर के प्रख्यात संस्थानों के शोधकर्ता, संकाय सदस्य (यूके, इजराइल, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको, डेनमार्क, मोरोको, सूडान), आईआईटी, एनआईटी, आईआईआईटी, आईआईएसईआर, केन्द्रीय और राज्य विश्वविद्यालय शामिल थे।

डॉ. मनीष गुप्ता, निदेशक गूगल रिसर्च इंडिया जिन्होंने कार्यशाला का उद्घाटन किया, ने विविध क्षेत्रों विशेषकर सूचना पहुंच, स्वास्थ्य देखभाल में जनतंत्र की भूमिका में गहन अधिगम प्रौद्योगिकियों की महता पर जोर दिया। मुख्य अतिथि श्री बालासुब्रमणियन, अध्यक्ष, आईआईआईटी श्रीसिटी शासी मंडल ने इस बात को उजागर किया कि विश्व भर के देश कैसे व्यापार, संगठनों और संस्थानों में महत्व के कारण गहन शिक्षण सहित एआई संबंधित प्रौद्योगिकियों में कैसे बड़े निवेश कर रहे हैं।

इंडस्ट्री 4.0 एडोप्शन के लिए एसएमई तैयारी संबंधी शोधः संस्थान ने राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार के उद्योग 4.0 में उत्कृष्टता केन्द्र एपीओ को परामर्श प्रदान किया। इस अध्ययन में पांच प्रमुख कारकों कृषि घटकों, ऑटोमोटिव, खाद्य प्रसंस्करण, औषधीय और कपड़े तथा परिधान में एसएमई की तैयारी का अध्ययन शामिल था। व्यापक विश्लेषण के आधार पर, क्षेत्र विशिष्ट तथा क्रॉस क्षेत्र विशिष्ट रिपोर्ट तैयार की गई। प्रमुख कारकों को शामिल करते हुए विस्तृत सिफारिशों का प्रयोग प्रमुख क्षेत्र की सहायता हेतु नीतिया और कार्यक्रमों में उपयोगी होंगी।

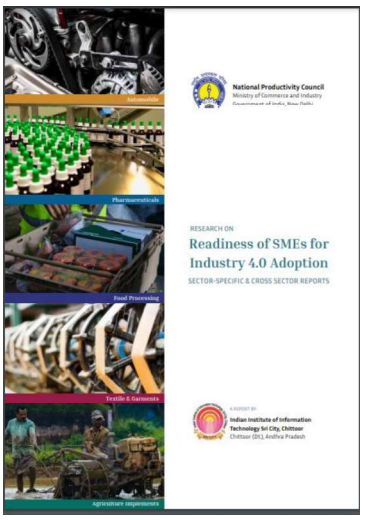

वित्तीय सारांश

आय एवं व्यय विवरण (वाईओवाई)

राशि लाख रूपए में

आय	**2017–18**	**2018–19**	**2019–20**	**2020–21**	**2021–22**
शैक्षणिक प्राप्तियां	1213.42	1701.93	2233.14	2440.46	2999.37
अनुदान/सब्सिडी	300.00	–	–	183.00	75.00
निवेश से आय	78.77	104.39	204.73	279.05	350.32
अर्जित ब्याज (एफडी के अतिरिक्त)	36.18	0.40	2.75	0.82	1.77
अन्य आय	151.59	226.98	351.67	133.81	206.05
कुल (क)	**1779.96**	**2033.70**	**2792.29**	**3037.14**	**3632.51**
व्यय					
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	422.32	521.40	489.32	569.26	837.15
शैक्षणिक व्यय	445.06	393.09	417.74	177.20	139.62
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	540.53	395.14	355.75	229.87	269.62
परिवहन व्यय	123.90	52.99	47.10	2.07	3.49
मरम्मत एवं रख–रखाव	75.04	60.48	87.76	81.69	86.10
अवमूल्यन	100.93	270.97	270.74	268.57	247.77
पूर्व अवधि व्यय	39.63	3.68	48.34	16.02	11.93
कुल (ख)	**1747.41**	**1697.75**	**1716.75**	**1344.68**	**1595.68**
व्यय से अधिक आय (क–ख)	**32.55**	**335.95**	**1075.54**	**1692.46**	**2036.83**